Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

शुक्रवार | 13 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 212 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 81500.19

निफ्टी 25110.85

सर्राफा बाजार

सोना 1,39,785.00 रुपए प्रति दस ग्राम

चांदी 1,95,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

सोनम वांगचुक का दावा- घर में नजरबंद किया गया

लद्दाख। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दावा किया है कि उन्हें उनके घर में नजरबंद कर दिया गया है। वांगचुक के मुताबिक, उनके घर के बाहर 25 से अधिक जवान तैनात किए गए हैं और उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने इस कार्रवाई को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए प्रशासन पर सवाल उठाए हैं।

आज से कांग्रेस की 'भारत समिट'

तेलंगाना। राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार से कांग्रेस की दो दिवसीय 'भारत समिट' शुरू हो रही है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में करीब 70 देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। समिट के दौरान दुनिया के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों, राजनीतिक परिस्थितियों और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस इस आयोजन के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद और विचार-विमर्श को बढ़ावा देने की तैयारी में है।

ट्रिपल मर्डर के आरोपी ऋषभ के घर से मिले छह हथियार

लखनऊ। ट्रिपल मर्डर मामले में आरोपी ऋषभ के घर से पुलिस ने बड़ी संख्या में हथियार और कारतूस बरामद किए हैं। तलाशी के दौरान पुलिस को बंदूक, रिवॉल्वर और तमंचे समेत कुल छह हथियार मिले हैं। इसके अलावा 45 कारतूस भी बरामद किए गए हैं। इस बरामदगी के बाद मामले में जांच का दायरा और बढ़ा दिया गया है।

एनसीपी के विलय की अटकलों के बीच पुणे जाएंगे अमित शाह

मुम्बई। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विलय को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर पुणे जाने वाले हैं। उनके इस दौरे को महाराष्ट्र की सियासत के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में उनके दौरे को एनसीपी के संभावित विलय की अटकलों से जोड़कर देखा जा रहा है।

बंगलूरू को मिली नई मेट्रो की सौगात

पीएम मोदी ने किया पिंक लाइन का उद्घाटन, यूपीआई से खरीदा टिकट

यूथ इंडिया, बेग्लूरू



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बंगलूरू मेट्रो की नई पिंक लाइन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य नेताओं के साथ मेट्रो में सफर भी किया। उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने काउंटर से यूपीआई के जरिए टिकट खरीदा और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

बंगलूरू मेट्रो की पिंक लाइन की कुल लंबाई 21.25 किलोमीटर है, जिसमें 18 स्टेशन बनाए गए हैं। इस नई लाइन के शुरू होने से शहर के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही प्रमुख इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और यात्रियों को यात्रा के लिए एक नया विकल्प मिलेगा।

पिंक लाइन के जुड़ने से बंगलूरू का कुल मेट्रो नेटवर्क बढ़कर 103.6 किलोमीटर हो जाएगा। इससे शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने में भी मदद मिल सकती है। मेट्रो सेवा से रोजाना सफर करने वाले लोगों को खास राहत मिलने की उम्मीद है।

अब यात्रियों की नजर इस बात पर है कि पिंक लाइन पर आम जनता के लिए नियमित मेट्रो सेवा कब से शुरू होगी। उद्घाटन के बाद परिचालन शुरू करने की तारीख और समय-सारणी को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। सेवा शुरू होने के बाद बंगलूरू के हजारों यात्रियों को इसका लाभ मिल सकेगा।

राजनाथ सिंह ने किया दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी रहे मौजूद

यूथ इंडिया, लखनऊ



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ के गुलजार उपवन पहुंचे, जहां उन्होंने नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने भवन का अवलोकन किया और इसके निर्माण को सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

लोकार्पण समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और जीवन मूल्यों से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए गए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया और आध्यात्मिक गतिविधियों के महत्व पर विचार साझा किए।

दिव्य संस्कृति भवन के माध्यम से लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान और सकारात्मक जीवनशैली से जोड़ने की योजना है। ब्रह्माकुमारीज की ओर से यहां लोगों को निशुल्क राजयोग ध्यान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके जरिए लोगों को मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मिक विकास के लिए ध्यान का अभ्यास कराया जाएगा।

इस भवन को आध्यात्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

मेरे मोबाइल में मौजूद हैं सभी आरोपों के सबूतः राहुल गांधी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनका फोन टैप कराने का गंभीर आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर इस मुद्दे को उठाया और सरकार पर निशाना साधा।

राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके मोबाइल फोन में फोन टैपिंग से जुड़े आरोपों के सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा लगाए गए सभी आरोपों के प्रमाण उनके फोन में ही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इस पूरे मामले की जानकारी है।

कांग्रेस नेता के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में एक बार फिर फोन टैपिंग और जासूसी को लेकर बहस तेज होने की संभावना है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट के जरिए केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए इस मुद्दे को सार्वजनिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

हालांकि, राहुल गांधी के दावों की स्वतंत्र पुष्टि और उनके द्वारा बताए गए सबूतों का सार्वजनिक विवरण सामने आना बाकी है। इस मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय या केंद्र सरकार की ओर से किसी आधिकारिक प्रतिक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध नहीं है।

भाजपा की पहली उम्मीदवार सूची जल्द होगी जारी, सीएम नायब सिंह सैनी ने जालंधर रैली में दिए संकेत

अमृतसर। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को जालंधर पहुंचे, जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने पंजाब चुनाव को लेकर बड़ा संकेत देते हुए कहा कि भाजपा जल्द ही अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के इस बयान के बाद पंजाब की राजनीति में चुनावी हलचल तेज हो गई है। भाजपा कार्यकर्ताओं और संभावित उम्मीदवारों की नजर अब पार्टी की पहली सूची पर टिकी है।

जनगणना-2027: 16 नवंबर से शुरू होगी स्व-गणना, 30 नवंबर तक ऑनलाइन भर सकेंगे परिवार का विवरण

यूथ इंडिया, लखनऊ



भारत की जनगणना-2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जनगणना के द्वितीय चरण के तहत जनसंख्या गणना (पीई) की प्रक्रिया में नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान लोग आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी प्रक्रिया के अनुसार स्व-गणना के लिए नागरिकों को आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर जाना होगा। सबसे पहले उत्तर प्रदेश राज्य का चयन करना होगा। इसके बाद अपनी पसंद की भाषा चुनकर दिए गए निर्देशों को पढ़ना होगा।

स्व-गणना की प्रक्रिया में नागरिकों को प्रथम चरण में जनगणना कर्मी को दिया गया मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद कैप्चा भरकर मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा। सत्यापन पूरा होने के बाद लोकेशन का मिलान किया जाएगा। यदि लोकेशन का मिलान नहीं होता है तो जिला, उपजिला और गांव अथवा शहर का चयन कर मानचित्र पर अपने घर की सही स्थिति दर्ज करनी होगी।

इसके बाद परिवार के मुखिया से संबंधित आवश्यक जानकारी भरकर सुरक्षित करनी होगी। परिवार के अन्य सदस्यों को भी एक-एक करके जोड़ना होगा और उनके संबंध में मांगी गई छह आवश्यक जानकारियां दर्ज करनी होंगी। सभी सदस्यों का विवरण भरने के बाद शेष जानकारी पूरी करनी होगी। फॉर्म जमा करने से पहले सभी जानकारियों की अच्छी तरह जांच करना जरूरी होगा।

सभी जानकारियां सही तरीके से भरने के बाद ऑनलाइन फॉर्म सबमिट करना होगा। प्रक्रिया पूरी होने पर एक स्व-गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) प्राप्त होगी। इसे सुरक्षित रखना आवश्यक होगा, क्योंकि जनगणना कर्मी के घर पहुंचने पर यह पहचान संख्या दिखाकर आवश्यक सत्यापन कराना होगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि ऑनलाइन स्व-गणना करने के बाद भी जनगणना की प्रक्रिया समाप्त नहीं होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे।

रामायण का महाविस्फोट, आठ दिन में 1033 करोड़ पार

मुम्बई। भारतीय सिनेमा में इन दिनों रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायणः पार्ट 1 की सफलता चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म ने रिलीज के महज आठ दिनों में दुनियाभर में 1,033.55 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर बॉक्स ऑफिस पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे तेजी से 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने महज आठ दिनों में यह उपलब्धि हासिल कर अपनी मजबूत बॉक्स ऑफिस स्थिति दर्ज कराई है। इस मामले में फिल्म से आगे रणवीर सिंह की धुरंधर 2 और अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 हैं, जिन्होंने सात दिनों में ही 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था। फिल्म की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब इसकी नजर शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान के वैश्विक बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को पीछे छोड़ने पर है।

एसआईआर को लेकर भाजपा का बड़ा मंथन, पंकज चौधरी की बैठक में शामिल हुए सीएम योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में लखनऊ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पार्टी पदाधिकारियों की बड़ी बैठक बुलाई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें मतदाता सूची से नाम कटने और छूटे हुए मतदाताओं को जोड़ने की रणनीति पर चर्चा की गई।

इस बैठक में 700 से अधिक पदाधिकारियों के शामिल होने की जानकारी है। पार्टी ने एसआईआर अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने की योजना तैयार की है। इसके तहत कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची की निगरानी करने और पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कराने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा ने प्रदेश के प्रत्येक बूथ पर 100 नए मतदाता जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे और जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल नहीं हैं, उन्हें नाम जुड़वाने की प्रक्रिया में मदद करेंगे। साथ ही मतदाता सूची में किसी तरह की त्रुटि होने पर उसे ठीक कराने के लिए भी जागरूक किया जाएगा।

बैठक में पार्टी नेताओं ने एसआईआर अभियान को लेकर संगठन की जिम्मेदारियों और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर भी मंथन किया। भाजपा का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम शामिल होने से वंचित न रहे। इसके लिए बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय कर अभियान को व्यापक रूप देने की तैयारी की जा रही है।

प्रदूषण का कहरः सीजन में पहली बार एक्यूआई 403 के पार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने शुक्रवार सुबह इस सीजन का सबसे खतरनाक स्तर छू लिया। शहर की हवा पहली बार बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। सुबह छह बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 403 दर्ज किया गया। प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है और प्रशासन के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। सुबह आठ और नौ बजे भी दिल्ली का औसत एक्यूआई 403 के आसपास बना रहा। राजधानी के कई इलाकों में स्मॉग की घनी चादर छाई रही, जिससे दृश्यता भी प्रभावित हुई। सुबह घरों से काम और अन्य जरूरी कार्यों के लिए निकले लोगों को धुंध और खराब हवा का सामना करना पड़ा।

हेनरी के आगे ढ़ेर भारतीय शेर

एजेंसी, ओवल



भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। बे ओवल में खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के गेंदबाज मैट हेनरी ने भारतीय बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया और टीम लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही। यह भारतीय टीम के वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी हार बताई जा रही है।

इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कीवी बल्लेबाज विल यंग ने शानदार शतकीय पारी खेली, जबकि टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दोनों बल्लेबाजों की बेहतरीन पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने भारत के सामने बड़ा लक्ष्य खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लगातार विकेट गिरते चले गए। मैट हेनरी ने अपनी धारदार गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में असफल रहे और पूरी टीम दबाव में नजर आई।

इस बड़ी जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज में शानदार वापसी की है। वहीं, भारतीय टीम के लिए यह हार बड़ा झटका मानी जा रही है। अब टीम इंडिया को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरियों पर ध्यान देना होगा, जबकि न्यूजीलैंड की टीम इस जीत से उत्साहित होकर आगे के मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

जनरल वीके सिंह की मौजूदगी में राजपूत रेजिमेंट का 17वां पोस्ट-वॉर रीयूनियन समारोह संपन्न, 180 पूर्व सैनिकों समेत 1380 जवानों ने लिया हिस्सा

- शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, वीर नारियों का हुआ सम्मान, अग्निवीरों को वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने दिया मार्गदर्शन

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद





राजपूत रेजिमेंट का 17वां पोस्ट-वॉर रीयूनियन समारोह 12 से 14 नवंबर 2026 तक राजपूत रेजिमेंटल सेंटर (आरआरसी), फतेहगढ़ में गरिमामय वातावरण और रेजिमेंटल गौरव के साथ आयोजित किया गया। तीन दिवसीय समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे करीब 180 पूर्व सैनिकों और 1200 सेवारत अधिकारियों एवं जवानों ने भाग लिया। समारोह में रेजिमेंट की गौरवशाली सैन्य परंपराओं, अनुशासन, एकजुटता और सैनिक भाईचारे की झलक देखने को मिली।

समारोह में जनरल (डॉ.) वीके सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एडीसी, राजपूत रेजिमेंट के मानद कर्नल एवं मिजोरम के राज्यपाल तथा लेफ्टिनेंट जनरल एचएस साही, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एसएम, राजपूत रेजिमेंट के कर्नल सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, पूर्व कर्नल और बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेजिमेंट की पुरानी और नई पीढ़ी को एक मंच पर लाना, देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को नमन करना और सैनिकों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करना रहा।

समारोह के पहले दिन 12 नवंबर को अंतर-बटालियन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न बटालियनों के जवानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर खेल भावना और रेजिमेंटल एकजुटता का परिचय दिया।

13 नवंबर को देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद सैनिकों की स्मृति में श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वीर जवानों को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया गया। साथ ही शहीद सैनिकों की वीर नारियों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन शहीद परिवारों के प्रति रेजिमेंट की कृतज्ञता और संवेदनशीलता का प्रतीक बना।

समारोह के दौरान जेसीओ मेस में बड़ा खाना, विशेष सैनिक सम्मेलन और विभिन्न रेजिमेंटल कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इनमें पूर्व सैनिकों और सेवारत जवानों ने अपने अनुभव साझा किए और पुरानी यादों को ताजा किया। पागल जिमखाना कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहा। इसके तहत पैरामोटर प्रदर्शन, डॉग शो, पीटी प्रदर्शन और विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू वरिष्ठ सेवारत एवं सेवानिवृत्त जनरलों का युवा अग्निवीर प्रशिक्षुओं और सैनिकों के साथ संवाद रहा। वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने सैन्य अनुभव साझा करते हुए युवाओं को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता और रेजिमेंट की गौरवशाली परंपराओं का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा सैनिकों के कंधों पर रेजिमेंट की प्रतिष्ठा और विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है।

तीन दिवसीय इस आयोजन ने पूर्व सैनिकों और वर्तमान जवानों के बीच मजबूत पारिवारिक रिश्तों को एक बार फिर जीवंत कर दिया। समारोह में पुरानी और नई पीढ़ी का मिलन रेजिमेंट की गौरवशाली यात्रा, सैनिक एकता और राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बना रहा।

राजपूत रेजिमेंट का आदर्श वाक्य सर्वत्र विजय पूरे समारोह में सैनिकों के शौर्य, पराक्रम, समर्पण और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता रहा। समारोह का समापन रेजिमेंट की गौरवशाली परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने और देश की सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

संसद में वोट चोरी और एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

यूथ इंडिया, लखनऊ



संसद में आगामी सत्र के दौरान विपक्ष वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने की तैयारी में है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार संसद में इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाएंगे। विपक्ष का उद्देश्य मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर सरकार से जवाब मांगना है।

संजय सिंह के मुताबिक, शरद पवार के साथ उनकी मुलाकात के दौरान कई महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीति के साथ-साथ परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण जैसे विषय भी शामिल रहे। दोनों नेताओं ने इन मुद्दों पर विपक्ष की रणनीति और आगे की राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया।

बैठक में कथित वोट चोरी और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी चर्चा हुई। विपक्षी दलों का आरोप है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान कई पात्र मतदाताओं के नाम प्रभावित हो सकते हैं। संजय सिंह ने संकेत दिया कि विपक्ष इस मामले को संसद में प्रमुखता से उठाकर चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करेगा।

संजय सिंह के बयान के बाद संसद में विपक्ष की रणनीति को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि आगामी सत्र में वोट चोरी, एसआईआर, महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

दुबग्गा बना अवैध अस्पतालों का नया अड्डा! गली-गली खुल रहे निजी अस्पताल, स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर सवाल

- दो-दो कमरों और दुकानों में चल रहे कथित अस्पतालों का जाल, हरदोई-लखीमपुर और सीतापुर से आने वाले मरीज निशाने पर

यूथ इंडिया, लखनऊ

दुबग्गा इलाका इन दिनों कथित अवैध अस्पतालों के संचालन को लेकर चर्चा में है। सब्जी मंडी और मछली मंडी के लिए पहचाने जाने वाले इस इलाके में अब अस्पतालों की एक अलग ही मंडी विकसित होने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय स्तर पर दावा किया जा रहा है कि दुबग्गा की गलियों से लेकर मुख्य सड़कों के किनारे तक बड़ी संख्या में निजी अस्पताल और नर्सिंग होम संचालित हो रहे हैं। इनमें से कई अस्पतालों के पास आवश्यक मानक और स्वास्थ्य विभाग की निर्धारित अनुमतियां नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कुछ स्थानों पर महज दो-दो कमरों और छोटी दुकानों में अस्पताल संचालित किए जाने के आरोप हैं। सवाल उठ रहा है कि आखिर सीमित जगहों पर मरीजों को भर्ती कर इलाज करने वाले इन प्रतिष्ठानों की जांच कौन कर रहा है? क्या इनके पास पंजीकरण, योग्य चिकित्सक, प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ, आवश्यक चिकित्सा उपकरण और आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध हैं?

आरोप है कि दुबग्गा में संचालित कुछ निजी अस्पतालों का नेटवर्क आसपास के जिलों तक फैला हुआ है। हरदोई, लखीमपुर खीरी और सीतापुर से इलाज के लिए लखनऊ आने वाले ग्रामीण मरीजों को कथित तौर पर दलालों के माध्यम से अस्पतालों तक पहुंचाया जाता है। आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे मरीजों तथा उनके परिजनों को बेहतर इलाज का भरोसा देकर भर्ती कराने की शिकायतें भी उठ रही हैं।

इस पूरे मामले में सबसे गंभीर आरोप मरीजों की भर्ती के बदले कमीशन के लेनदेन का है। चर्चाओं और शिकायतों के मुताबिक, कुछ जगहों पर मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने वाले दलाल को 30 प्रतिशत और अस्पताल संचालक को 70 प्रतिशत हिस्सा मिलने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, इस कथित कमीशन व्यवस्था की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित लेनदेन के दस्तावेज सामने आना अभी बाकी है। यदि जांच में ऐसे नेटवर्क की पुष्टि होती है तो यह चिकित्सा सेवा की आड़ में मरीजों के आर्थिक शोषण का गंभीर मामला होगा।

मामले में सरकारी और निजी एंबुलेंस के कथित गठजोड़ की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक पहुंचाने और निजी अस्पतालों में भर्ती कराने के लिए एंबुलेंस नेटवर्क सक्रिय रहता है। जांच का विषय यह है कि क्या मरीजों को उनकी जरूरत और पसंद के अनुसार अस्पताल पहुंचाया जा रहा है या फिर कमीशन के आधार पर उन्हें विशेष अस्पतालों में भर्ती कराया जाता है।

गगगगदुबग्गा में कथित रूप से बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों के संचालन की शिकायतों ने स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि अस्पताल बिना पंजीकरण या निर्धारित मानकों के संचालित हो रहे हैं तो मरीजों की जान के साथ गंभीर खिलवाड़ हो सकता है। ऐसे प्रतिष्ठानों में आपातकालीन स्थिति के दौरान प्रशिक्षित चिकित्सक, ऑक्सीजन, आवश्यक उपकरण और अन्य जीवनरक्षक सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने का खतरा भी बना रहता है।

इस पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग को दुबग्गा क्षेत्र में संचालित सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम का व्यापक सर्वे कराना चाहिए। प्रत्येक प्रतिष्ठान के पंजीकरण, चिकित्सकों की योग्यता, उपलब्ध सुविधाओं, मरीजों की भर्ती के रिकॉर्ड और एंबुलेंस की भूमिका की जांच जरूरी है। साथ ही मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने वाले कथित दलालों और कमीशन के लेनदेन की भी पड़ताल होनी चाहिए।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि राजधानी के एक प्रमुख इलाके में यदि इस तरह का कथित अस्पताल नेटवर्क सक्रिय है तो अब तक जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? क्या स्वास्थ्य विभाग किसी बड़ी कार्रवाई का इंतजार कर रहा है या फिर जांच और निगरानी केवल कागजों तक सीमित है?

प्रदूषण का कहर, सभी 7 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 300 के पार

- सेक्टर-62 में स्थिति सबसे गंभीर, वायु गुणवत्ता सूचकांक 474 पहुंचा
- कई इलाकों में सांस लेना भी हुआ मुश्किल

यूथ इंडिया, नोएडा



औद्योगिक नगरी नोएडा में वायु प्रदूषण ने खतरनाक स्तर पर दस्तक दे दी है। शहर के सभी 7 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार दर्ज किया गया। सुबह जारी रिपोर्ट के आंकड़ों ने प्रदूषण की गंभीर स्थिति उजागर कर दी है। सबसे खराब स्थिति सेक्टर-62 की रही, जहां एक्यूआई 474 तक पहुंच गया। यह स्तर बेहद गंभीर श्रेणी में आता है।

प्रदूषण के आंकड़ों के मुताबिक सेक्टर-116 में एक्यूआई 406 दर्ज किया गया, जबकि सेक्टर-125 में 367 और सेक्टर-150 में 339 रहा। इसी तरह सेक्टर-1 में 338, सेक्टर-39 में 332 तथा सेक्टर-110 में 317 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। आंकड़ों से स्पष्ट है कि नोएडा का कोई भी निगरानी केंद्र ऐसा नहीं रहा, जहां वायु गुणवत्ता सामान्य या संतोषजनक स्थिति में हो।

शहर के अलग-अलग इलाकों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। सेक्टर-62 में 474 एक्यूआई दर्ज होने से स्थिति सबसे गंभीर नजर आई। वहीं सेक्टर-116 में भी 406 का आंकड़ा दर्ज किया गया। इन इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

विशेषज्ञों के अनुसार 300 से अधिक एक्यूआई वाली हवा स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। इससे सांस लेने में परेशानी, खांसी, आंखों में जलन और फेफड़ों से संबंधित समस्याएं बढ़ सकती हैं। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से सांस या हृदय संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

नोएडा के सभी निगरानी केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर 300 के पार पहुंचना वायु गुणवत्ता नियंत्रण के प्रयासों के सामने बड़ी चुनौती है। निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियां इसके संभावित कारण हो सकते हैं। हालांकि, मौजूदा प्रदूषण में अलग-अलग स्रोतों की वास्तविक हिस्सेदारी की पुष्टि विस्तृत जांच से ही हो सकेगी।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरुआत, घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



- व्रती महिलाओं ने स्नान कर शुरू किया चार दिवसीय कठिन व्रत
- 16 नवंबर को सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा महापर्व का समापन

यूथ इंडिया, लखनऊ

लोक आस्था, श्रद्धा और सूर्य उपासना का महापर्व छठ शनिवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व की शुरुआत होते ही राजधानी के विभिन्न घाटों और जलाशयों पर श्रद्धालुओं की चहल-पहल बढ़ गई। व्रती महिलाओं ने पवित्र स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भगवान सूर्य तथा छठी मैया के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

छठ महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय की परंपरा निभाई जाती है। इस दिन व्रती महिलाएं स्नान कर घरों की साफ-सफाई करती हैं और शुद्धता के साथ भोजन तैयार करती हैं। पारंपरिक रूप से लौकी की सब्जी, चने की दाल और चावल का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके साथ ही चार दिवसीय कठिन व्रत का शुभारंभ होता है।

छठ महापर्व के दूसरे दिन खरना की परंपरा निभाई जाएगी। इस दिन व्रती महिलाएं पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करती हैं। इसके बाद उनका निर्जला व्रत शुरू हो जाता है।

तीसरे दिन व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगी। इसके लिए घाटों पर विशेष तैयारियां की जाती हैं। परिवार के सदस्य पूजा सामग्री, फल, ठेकुआ और पारंपरिक प्रसाद से भरे सूप लेकर घाट पहुंचते हैं।

महापर्व का समापन 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। सुबह तड़के व्रती महिलाएं घाटों पर पहुंचकर भगवान सूर्य को जल अर्पित करेंगी और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की खुशहाली तथा अच्छे स्वास्थ्य की कामना करेंगी। इसके बाद व्रत का पारण किया जाएगा।

छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार, समाज, स्वच्छता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी है। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है।

वैष्णवी वर्कशॉप पर दबंगों का तांडव, मालिक-पत्नी समेत कर्मचारियों को पीटा

- तीन लोगों पर वर्कशॉप में घुसकर मारपीट और लूटपाट का आरोप
- वाहन से कुचलकर हत्या की कोशिश का भी दावा
- पीजीआई पुलिस से की शिकायत

यूथ इंडिया, लखनऊ

वृंदावन क्षेत्र में दबंगई का मामला सामने आया है। यहां स्थित वैष्णवी वर्कशॉप में कथित रूप से तीन लोगों ने घुसकर जमकर हंगामा किया। आरोप है कि हमलावरों ने वर्कशॉप के मालिक और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की। विरोध करने पर वहां मौजूद कर्मचारियों को भी बेरहमी से पीटा गया। घटना के दौरान वर्कशॉप परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि तीनों आरोपी अचानक वर्कशॉप में पहुंचे और वहां मौजूद लोगों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने मालिक और उनकी पत्नी को निशाना बनाया। बीच-बचाव करने पहुंचे कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की गई। इस दौरान किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला और वर्कशॉप में कामकाज का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान वाहन से कुचलकर जान से मारने की कोशिश भी की। इसके अलावा वर्कशॉप में लूटपाट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना में मालिक, उनकी पत्नी और कर्मचारियों के साथ हुई कथित मारपीट को लेकर पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पीजीआई थाने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की और पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत में तीन लोगों पर मारपीट, लूटपाट और जानलेवा हमला करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

फिलहाल घटना के पीछे की वजह, कथित हमलावरों की भूमिका और मारपीट के दौरान हुए नुकसान को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। पुलिस जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पीड़ित पक्ष ने मामले में निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

बाल दिवस पर बच्चों के लिए निःशुल्क एआई कार्यशाला का आयोजन 14 नवंबर को

यूथ इंडिया, इटावा



बाल दिवस के विशेष अवसर पर 14 नवंबर को 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स के उपयोग को लेकर एक निःशुल्क कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चाणक्य होटल के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगी।

कार्यशाला में इटावा निवासी एवं वर्तमान में बेंगलुरु में अपनी कंपनी संचालित कर रहे इंजीनियर अजय वर्मा प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को एआई की दुनिया से परिचित कराएंगे। वह आने वाले समय में शिक्षा, तकनीक, चिकित्सा, उद्योग, रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता और उसके बढ़ते प्रभाव के बारे में प्राथमिक जानकारी देंगे।

कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को आधुनिक तकनीक के प्रति जागरूक करना, उनकी डिजिटल समझ विकसित करना तथा भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना है, ताकि वे बदलते तकनीकी दौर के लिए स्वयं को तैयार कर सकें।

निःशुल्क कार्यशाला में भाग लेने के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। इच्छुक बच्चे एवं अभिभावक मोबाइल नंबर 8899539738 पर संपर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं।

एसएसपी श्लोक कुमार की बड़ी कार्रवाई, 147 उपनिरीक्षकों के तबादले

- विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के मद्देनजर पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल
- लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात दरोगाओं को मिली नई तैनाती

यूथ इंडिया, मथुरा

जनपद में पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने तबादला आदेश जारी करते हुए 147 उपनिरीक्षकों (दरोगाओं) के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को देखते हुए पुलिस महकमे में यह प्रशासनिक बदलाव किया गया है।

पुलिस विभाग की ओर से किए गए इस फेरबदल के तहत लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात उपनिरीक्षकों को हटाकर दूसरे थानों और स्थानों पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस कदम का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और कानून-व्यवस्था को मजबूत रखना बताया गया है।

बताया गया है कि पुलिस महानिरीक्षक स्थापना, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के अनुपालन में यह तबादले किए गए हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन अभी से अपनी तैयारियों को व्यवस्थित करने में जुटा है।

147 उपनिरीक्षकों के एक साथ हुए तबादलों के बाद पुलिस महकमे में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। नई तैनाती के साथ अब संबंधित अधिकारियों को अपने नए कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी संभालनी होगी।

बच्चों के मामूली विवाद ने लिया खूनी रूप, चचेरी बहन को मारी गोली

- रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात से इलाके में सनसनी
- गंभीर हालत में युवती अस्पताल में भर्ती
- गोली मारने के बाद आरोपी युवक फरार

यूथ इंडिया, अमरोहा



बच्चों के बीच हुआ मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि उसने परिवार के रिश्तों को ही लहूलुहान कर दिया। आपसी कहासुनी और विवाद के बाद एक युवक ने अपनी ही चचेरी बहन को गोली मार दी। गोली लगने से युवती गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। अचानक हुई फायरिंग से मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया।

मामला अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र के अहमदनगर मोहल्ले का है। बताया जा रहा है कि परिवार के बच्चों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। शुरुआत में मामूली नजर आने वाला यह विवाद देखते ही देखते गंभीर हो गया। इसी दौरान युवक ने गुस्से में आकर अपनी चचेरी बहन पर गोली चला दी। गोली लगते ही युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े और परिवार में चीख-पुकार मच गई।

परिजनों ने आनन-फानन में घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ले में दहशत का माहौल बन गया। जिस परिवार में बच्चों के बीच हुए विवाद को आपसी बातचीत से सुलझाया जा सकता था, उसी विवाद ने हिंसक रूप लेकर एक युवती को अस्पताल पहुंचा दिया।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर नगर कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस घटना के कारणों, विवाद की वास्तविक परिस्थितियों और फायरिंग में प्रयुक्त हथियार के संबंध में जानकारी जुटा रही है। फरार आरोपी की तलाश के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

इस संबंध में सीओ सिटी प्रदीप कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की पड़ताल की जा रही है। आरोपी की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बच्चों के बीच होने वाले छोटे-मोटे विवाद को लेकर परिवारों में इस तरह की हिंसक घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। आपसी बातचीत और समझदारी से सुलझाए जा सकने वाले विवाद जब गुस्से और हथियारों तक पहुंच जाते हैं, तो इसका खामियाजा पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। फिलहाल घायल युवती के उपचार और आरोपी की गिरफ्तारी पर सभी की नजरें टिकी हैं।

पुलिस मुठभेड़, हत्या का आरोपी पैर में गोली लगने से गिरफ्तार

- पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई, घायल आरोपी अस्पताल में भर्ती
- तमंचा, बाइक और मृतक का मोबाइल-पर्स बरामद

यूथ इंडिया, फिरोजाबाद



सिरसागंज थाना क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे तत्काल हिरासत में लेकर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस के मुताबिक, 10 नवंबर को सिरसागंज थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। काफी प्रयासों के बाद मृतक की पहचान बरेली जिले के शीशगढ़ निवासी फईम अहमद पुत्र बाबू के रूप में हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

जांच के दौरान आमिर उर्फ सलमान खान निवासी अहमदपुर, सिरसागंज का नाम सामने आया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई थीं। इसी बीच बुधवार को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी घटना में इस्तेमाल की गई बाइक और अन्य सामान छिपाने के लिए जा रहा है।

सूचना के आधार पर सिरसागंज पुलिस ने नगला छोटे से शिकोहाबाद जाने वाले मार्ग पर अहमदपुर बंबा के पास चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान बाइक से आ रहे संदिग्ध युवक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस के अनुसार, खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा।

पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से तमंचा, बाइक तथा मृतक फईम अहमद का मोबाइल फोन और पर्स बरामद किए जाने की जानकारी दी गई है। घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर हत्या के पीछे की वजह और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

छठ पूजा से पहले सुएज इंडिया ने की छठ स्थलों के आसपास सीवर मैनहोल की सफाई



यूथ इंडिया, लखनऊ

छठ पूजा के मद्देनजर सुएज इंडिया की टीम ने शहर में छठ पूजा स्थलों के आसपास स्थित सीवर मैनहोल की विशेष सफाई कराई। त्योहार के दौरान सीवर ओवरफ्लो की समस्या न हो और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए यह अभियान चलाया गया।

सफाई अभियान के तहत छठ स्थलों के आसपास के सीवर मैनहोल की जांच कर उनमें जमा गाद और कचरे को हटाया गया, जिससे सीवर का प्रवाह सुचारु बना रहे। टीम ने विशेष रूप से उन स्थानों पर ध्यान दिया जहां त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही अधिक रहती है।

सुएज इंडिया की टीम ने त्योहार को देखते हुए सीवर व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए यह पहल की है। इसका उद्देश्य पूजा स्थलों के आसपास स्वच्छता बनाए रखना और सीवर लाइन में रुकावट के कारण होने वाले संभावित ओवरफ्लो को रोकना है।

सुएज इंडिया का कहना है कि त्योहारों के दौरान नागरिकों को बेहतर सीवर प्रबंधन सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए टीम नियमित निगरानी और आवश्यक सफाई कार्यों के माध्यम से सीवर नेटवर्क को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

राम अवतार गौतम 'राजा बीजापुर' को मिला डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार

- सामाजिक योगदान के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में हुआ था चयन
- उरई में स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया सम्मानित

यूथ इंडिया, उरई (जालौन)



समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए समाजसेवी राम अवतार गौतम 'राजा बीजापुर' को डॉ. बी.आर. आंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध डॉ. बी.आर. आंबेडकर स्पोर्ट्स फाउंडेशन की ओर से पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में उनका चयन किया गया था।

किन्हीं अपरिहार्य कारणों से समारोह में शामिल नहीं हो पाने के चलते गुरुवार को उरई में उन्हें सम्मानित किया गया। अजनारी रोड स्थित डॉ. महेश प्रताप सिंह के न्यूरो स्पाइन फिजियो सेंटर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्था के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी प्रोफेसर डॉ. कृष्ण गोपाल ने उन्हें संस्था का लोगो अंकित स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य, शिक्षा, खेलकूद और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रमाकांत दोहरे, संजय कुमार गौतम, दीपशिखा आजाद, सुशील चौधरी, अजय कुमार गौतम 'योगा महाराज' और राहुल गौतम सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने राम अवतार गौतम को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्नातक चुनाव की हार ने हिला दिए बाराबंकी के समीकरण

- कीर्ति की जीत से भाजपा में हड़कंप, रामनगर में डेढ़ दर्जन दावेदार पर जमीन पर सन्नाटा

यूथ इंडिया, बाराबंकी

स्नातक विधान परिषद चुनाव में भाजपा की हार ने जिले की सियासत को झकझोर दिया है। सपा प्रत्याशी कांति सिंह की अप्रत्याशित जीत से भाजपा संगठन तिलमिला उठा है। गांव तक फैला संगठन इस चुनाव में मूक दर्शक बना रहा।

मतदाताओं का कहना है कि भाजपा पदाधिकारियों ने चुनाव को गंभीरता से नहीं लड़ा। हर नेता ने सोचा, दूसरा कर लेगा। नतीजा वही हुआ जो दूध के कुएं वाली कहानी में हुआ था। राजा ने कुआं दूध से भरने को कहा, सबने सोचा सब दूध डालेंगे, हम पानी डाल देते हैं। कुआं पानी से भर गया। इसी तर्ज पर एक शरीफ और साफ-सुथरी छवि वाले इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह चुनाव हार गए। उनकी हार से मतदाता भी आहत हैं।

चर्चा है कि भाजपा जिला अध्यक्ष और एमएलसी रहे अवनीश सिंह एक ही बिरादरी से हैं, फिर भी संगठन प्रत्याशी के लिए कुछ नहीं कर पाया। इस हार के बाद लखनऊ से दिल्ली तक मंथन हो रहा है।

आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस हार का असर साफ दिख रहा है। जिले की तीन भाजपा वाली सीटों पर भी समीकरण बदल रहे हैं। सपा वाली सीटों पर भाजपा के दावेदारों की लंबी कतार है, पर स्नातक चुनाव में उनकी निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। कयास लग रहे हैं कि कुछ सेटिंग विधायकों का टिकट कट सकता है या वे क्षेत्र छोड़ सकते हैं।

रामनगर में हाल और दिलचस्प है। करीब डेढ़ दर्जन लोग दावेदारी कर रहे हैं, लेकिन चुनाव में किसी ने कुछ कर गुजरते नहीं दिखाया। अब सिर्फ तीन चेहरे सक्रिय दिख रहे हैं। एक पूर्व विधायक और एक बड़े दावेदार, जो एक ही वर्ग से हैं, क्षेत्र में घूम रहे हैं। वहीं एक पुराने बजरंगी गौरी गांव और तराई इलाके में दिवाली पर मिष्ठान बांटते देखे गए।

रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने ट्रंप ने भेजे अपने दो दूत, पुतिन से करेंगे सीधे बात

● इस प्रयास की नींव आबू धाबी में रखी गई, जहां रूस, यूक्रेन-अमेरिकी में हुई थी गुप्त बैठकें

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है। उन्होंने अपने दो प्रमुख दूतों, दामाद जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को मॉस्को भेजा है, जहां वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आमने-सामने बातचीत करेंगे। जानकारों के मुताबिक अगले 48 घंटों में होने वाली इन बैठकों से यूरोप में जारी इस युद्ध को रोकने के लिए कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। यह अहम राजनयिक प्रयास रातों-रात शुरू नहीं हुआ। इसकी नींव कुछ दिन पहले आबू धाबी में रखी गई थी, जहां रूस, यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों के बीच दो दिनों तक गुप्त बैठकें हुई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक यह फरवरी के बाद पहला मौका था जब तीनों देशों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर मंथन कर रहे थे। जानकारों ने बताया कि कुशनर और विटकॉफ ने इन बैठकों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। आबू धाबी से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अब ये दूत सीधे मॉस्को पहुंच रहे हैं ताकि पुतिन के साथ शांति समझौते के जटिल पेंचों को सुलझाया जा सके। ट्रंप के इन दूतों का क्रेमलिन में सीधा प्रवेश इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि अमेरिका इस युद्ध को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को यात्रा से पहले, जेरेड कुशनर ने अपने बयानों में उम्मीद जताई कि उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच के अनसुलझे मुद्दों पर कुछ सकारात्मक खुले अवसर और उम्मीद की किरणें नजर आ रही हैं। उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि अब तक जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ था, उन्हें तोड़ने का कोई रास्ता निकलता दिख रहा है। इस मिशन का एक रणनीतिक पहलू यह भी है कि मॉस्को में पुतिन से बातचीत करने के बाद, ये दोनों अमेरिकी दूत तुरंत आयरलैंड की राजधानी डबलिन जाएंगे। डबलिन में वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की टीम को मॉस्को की बैठक की पूरी जानकारी देंगे और रणनीति पर चर्चा करेंगे।

अमेरिका में रूसी राजदूत अलेक्जेंडर की अचानक मौत, डेढ़ साल तक ही इस पद पर रहे

● रूसी विदेश मंत्रालय ने डारचीव को राजनयिक, अनुभवी नेता और दयालु सहकर्मी बताया

मास्को,एजेंसी। अमेरिका में रूस के राजदूत अलेक्जेंडर डारचीव (66) की अचानक मौत हो गई। मॉस्को में विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डारचीव इस पद पर केवल डेढ़ साल तक ही रहे। रूसी विदेश मंत्रालय ने डारचीव को एक बेहतरीन राजनयिक, अनुभवी नेता और दयालु सहकर्मी बताया है। उन्हें मार्च 2025 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। हालांकि मॉस्को ने उनकी मौत के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। इससे पहले डारचीव 2014 से 2021 तक कनाडा में रूस के राजदूत रह चुके थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अलेक्जेंडर डारचीव को पिछले साल अमेरिका में इस पद पर नियुक्त किया गया था। यह समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने के कुछ ही समय बाद का था, और यह उस दौर में हुआ जब यूक्रेन में रूस का सैन्य अभियान चल रहा था, जिसने रूस को पश्चिमी देशों के आमने-सामने लाकर खड़ा कर दिया। डारचीव रूस-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञ थे और 2021-2024 के बीच विदेश मंत्रालय के उत्तरी अमेरिकी विभाग के निदेशक रहे। 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो डारचीव ने इस कदम को एक आवश्यक उपाय बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक डारचीव की मौत व्हाइट हाउस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक हफ्ते से भी कम समय बाद हुई है। इस कॉन्फ्रेंस में रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी इलाके में एक अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की गई थी।

उपराष्ट्रपति का सर्टिफिकेट निकला फर्जी? लताड़ के बाद दिया इस्तीफा



जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। उपराष्ट्रपति गिब्रान राकाबुमिंग राका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी इस इस्तीफे की वजह कोई बड़ा घोटाला या चुनावी हार नहीं, बल्कि उनकी शैक्षणिक योग्यता से जुड़ा एक प्रमाणपत्र है, जिस पर देश की अदालतों ने सवाल उठाए हैं। इस घटनाक्रम ने इंडोनेशिया की राजनीति में एक नया और गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। 39 वर्षीय गिब्रान पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो के बेटे हैं। उन्होंने 2024 के चुनाव में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ उपराष्ट्रपति पद पर जीत हासिल की थी, लेकिन उनकी नियुक्ति और चुनाव लड़ने की पात्रता शुरुआत से ही विवादों में रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक अदालत के फैसलों ने इस विवाद को और गहरा कर दिया है। यह घटना दर्शाती है कि कैसे कभी-कभी एक छोटा सा दस्तावेज भी बड़े राजनीतिक करियर पर भारी पड़ सकता है।

दरअसल, इंडोनेशियाई चुनावी नियमों के अनुसार, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए कम से कम सीनियर हाईस्कूल या उसके समकक्ष की शिक्षा अनिवार्य है। गिब्रान ने अपनी विदेश में की गई पढ़ाई के आधार पर एक समकक्षता प्रमाणपत्र पेश किया था, जिसे चुनावी प्रक्रिया के दौरान उनकी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण के रूप में स्वीकार कर लिया गया था। हालांकि, अब देश की सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक अदालत ने इस प्रमाणपत्र की वैधता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालतों ने पाया कि ऐसा कोई पर्याप्त सबूत नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि गिब्रान ने निर्धारित शैक्षणिक स्तर की पढ़ाई पूरी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने तो शिक्षा मंत्रालय को उनका यह समकक्षता प्रमाणपत्र तत्काल वापस लेने का भी निर्देश दे दिया, जिसके बाद गिब्रान के उपराष्ट्रपति बने रहने पर कानूनी सवाल खड़े हो गए थे।

इसी गंभीर विवाद के बीच गिब्रान ने बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके एक करीबी सहयोगी ने इस बात की पुष्टि की। बताया गया है कि इस इस्तीफे की औपचारिक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संसद के उच्च सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भी पत्र जमा किया जाना था। नियमों के मुताबिक, संसद को पहले पद खाली घोषित करना होगा, जिसके बाद राष्ट्रपति से उत्तराधिकारी के लिए दो नामों का प्रस्ताव मांगा जाएगा और फिर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराना होगा। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए करीब 120 सांसदों ने गिब्रान को पद से हटाने की मांग करते हुए महाभियोग की याचिका भी सौंप दी थी। उनका तर्क था कि शैक्षणिक योग्यता की शर्त पूरी नहीं होने के कारण गिब्रान अब इस संवैधानिक पद के योग्य नहीं हैं।

इजरायल में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, मची अफरा-तफरी जान बचाकर भागे लोग

● रतन एयरपोर्ट के टूटे खिड़की के कांच, यात्रियों को कर्मचारियों को निकाला बाहर

तेलअवीव,एजेंसी। इजराइल के दक्षिणी तटीय शहर ईलात और लाल सागर के इलाकों में बुधवार को 4.5 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके लगे। झटके लगते ही लोगों और पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से रमन एयरपोर्ट को तुरंत खाली करा लिया गया और कुछ समय के लिए उड़ानें रोक दी गईं। इसमें किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इजराइल के जियोलॉजिकल सर्वे के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र दक्षिणी सिनाई में ताबा के पास था, जो इजराइल सीमा से करीब 224 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी गहराई जमीन से 8 किलोमीटर नीचे बताई गई थी। केंद्र सीमा के पास होने के कारण इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही दक्षिणी इजराइल के कई इलाकों में तुरंत अलर्ट सिस्टम सक्रिय हो गया और खतरे के सायरन बजने लगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप का सबसे ज्यादा असर ईलात के पास स्थित रमन एयरपोर्ट पर हुआ। जैसे ही भूकंप का अलर्ट मिला, एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और टर्मिनल को खाली करवा लिया। एयरपोर्ट के अंदर कुछ जगहों पर कांच टूटने की खबरें भी सामने आईं, लेकिन सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया। इजराइली रक्षा बलों ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। इस भूकंप ने इजराइल के इतिहास में आए 1927 के भयानक भूकंप की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें करीब 300 लोग मारे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सीरियाई-अफ्रीकी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में हर सौ साल के बाद एक शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप आने का खतरा हमेशा बना रहता है।

पाकिस्तान पर हुए दो बड़े हमले, 10 पुलिसकर्मियों की मौत, कई गाड़ियां जलाई

● बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने मुख्य पुल को बम से उड़ाया

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान पर एक ही दिन में हुए दो बड़े हमलों ने सुरक्षा व्यवस्था और अशांति की पोल खोल दी है। खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट जिले में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने पुलिस के काफिले पर हमला कर दिया। इस हमले में डीएसपी हैदर जमान और सब-इंस्पेक्टर मुख्तियार समेत 10 पुलिसकर्मी मारे गए और उनकी गाड़ियां जला दी गईं। वहीं, बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने एक मुख्य पुल को बम से उड़ा दिया, जिससे देश की प्रमुख व्यापारिक और रणनीतिक नसें कट गईं। रिपोर्ट के मुताबिक कोहाट में यह हमला गुंबत इलाके के पास हुआ, जब पुलिस अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने जा रही थी। टीटीपी के आतंकवादियों ने पहाड़ों की ऊंची चोटियों पर मोर्चा संभाल कर पुलिस काफिले पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। ऊंचाई का फायदा उठाकर आतंकियों ने पुलिसकर्मियों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। हमले में पुलिस की पांच मोबाइल गाड़ियां आग के हवाले कर दी गईं और 10 पुलिसकर्मी मौत के शिकार हो गए। इस घटना के बाद पूरे गुंबत इलाके में हाई सिक्योरिटी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। बता दें इससे पहले बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के खाडकोचा इलाके में बलूच अलगाववादी विद्रोहियों ने क्वेटा और करांची को जोड़ने वाले मुख्य नेशनल हाईवे पर एक अहम पुल को बम से उड़ा दिया। यह पुल पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और सैन्य लॉजिस्टिक्स के लिए अत्यधिक अहम था। पुल के ध्वस्त होते ही दोनों बड़े शहरों के बीच का सड़क संपर्क ठप हो गया, जिससे सड़कों पर वाहनों की मीलों लंबी कतारें लग गईं। यह हमला बलूच विद्रोहियों द्वारा पाकिस्तानी सेना को सीधी चुनौती देने का प्रतीक है। इस पुल के टूटने के गहरे राजनीतिक और रणनीतिक मायने हैं। क्वेटा बलूचिस्तान की राजधानी है और करांची पाकिस्तान का सबसे बड़ा वाणिज्यिक केंद्र और बंदरगाह है।

चुनावी चंदा जुटाने में भारतीय और अमेरिकी नेताओं में रो खन्ना सबसे आगे रहे

कई मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति अलग रही, कुछ पर था कर्ज का बोझ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद में भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच चुनावी चंदा जुटाने के मामले में कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने सबसे आगे निकलकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। एफईसी के रिकॉर्ड की समीक्षा से पता चला है कि उनके चुनावी अभियान के पास वर्तमान में 1.66 करोड़ डॉलर की नकद राशि है और उन पर कोई कर्ज नहीं है। यह राशि न केवल प्रभावशाली है, बल्कि आठ भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सदस्यों और नवनिर्वाचित सदस्यों में सबसे अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रो खन्ना की यह वित्तीय स्थिति इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि उनके पास मौजूद नकद राशि अन्य सात भारतीय-अमेरिकी सांसदों और नवनिर्वाचित सदस्यों की संयुक्त राशि करीब 1.11 करोड़ डॉलर से भी ज्यादा है। उनके अभियान सूत्रों के मुताबिक 14 अक्टूबर तक 2026 के चुनावी चक्र के दौरान उन्हें 1.53 करोड़ डॉलर मिले और 95 लाख डॉलर खर्च किए गए। यह दर्शाता है कि उनके अभियान की कुल नकद शेष राशि उनकी कुल प्राप्तियों से भी ज्यादा थी, जो कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रतीक है।

वहीं अन्य मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति भी विभिन्न रही। वाशिंगटन से प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल ने 17.5 लाख डॉलर नकद राशि होने की जानकारी दी और उन पर कोई कर्ज नहीं था। कैलिफोर्निया के एमी बेरा के पास 16.5 लाख डॉलर की नकद राशि थी, लेकिन उन पर 80,000 डॉलर का कर्ज था। वहीं, वर्जीनिया के सुहास सुब्रमण्यम ने करीब 7.46 लाख डॉलर नकद राशि होने की सूचना दी और उन पर भी कर्ज नहीं था। इन सांसदों के अभियानों को चुनावी चक्र के दौरान अच्छी खासी राशि मिली और खर्च भी किया।

नवनिर्वाचित भारतीय-अमेरिकी सदस्यों के पास चुनाव जीतने से पहले अपेक्षाकृत कम नकद भंडार था, जो उनकी शुरूआती अवस्था को दर्शाता है। एरिजोना के प्रथम कांग्रेसनल जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली को हराने वाले अमीश शाह ने 14 अक्टूबर तक 57 लाख डॉलर की प्राप्ति और 55 लाख डॉलर के खर्च की सूचना दी। उनके पास करीब 2.06 लाख डॉलर शेष थे और करीब 37,000 डॉलर का कर्ज था। फ्लोरिडा के 22वें जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी असकर को पराजित करने वाली पिया दांडिया के अभियान के पास करीब 7.35 लाख डॉलर नकद राशि थी और 2.47 लाख डॉलर का कर्ज था। उनके प्रतिद्वंद्वी असकर ने स्वयं के ऋण समेत 74 लाख डॉलर प्राप्त किए, लेकिन उनके अभियान पर 62.9 लाख डॉलर का बड़ा कर्ज बना रहा।

कुछ अन्य भारतीय-अमेरिकी सांसदों के चुनावी वित्त की स्थिति जटिल रही। थानेदार के पास 30 सितंबर तक 59 लाख डॉलर की नकद राशि थी, जो दूसरी सबसे बड़ी राशि थी, लेकिन उनके अभियान पर 1.444 करोड़ डॉलर का भारी कर्ज भी था, जो उनकी नकद राशि से काफी ज्यादा है। राजा



कृष्णमूर्ति के हाउस अभियान खाते में 30 सितंबर तक करीब 47,000 डॉलर और सीनेट अभियान खाते में करीब 33,000 डॉलर मौजूद थे। उनके सीनेट अभियान ने 3.16 करोड़ डॉलर हासिल किए, जिसमें अन्य अधिकृत समितियों से प्राप्त 1.94 करोड़ डॉलर के ट्रांसफर भी शामिल थे। चुनावी फंड जुटाने की तुलना करते समय ऐसे ट्रांसफर को ध्यान में रखना अहम होता है ताकि एक ही धनराशि की दोहरी गणना से बचा जा सके। कुल मिलाकर भारतीय-अमेरिकी राजनेताओं के बीच चुनावी चंदा जुटाने का परिदृश्य रो खन्ना की प्रभावशाली बढ़त और अन्य के लिए अलग-अलग वित्तीय चुनौतियों को दर्शाता है।

मेलोनी की कार में बम और स्कूलों को मिली धमकी से मचा हड़कंप



रोम, एजेंसी। इटली में 11 नवंबर का दिन उस समय दहशत भरा साबित हुआ, जब देशभर के कम से कम 300 स्कूलों को अचानक अजीबो-गरीब ईमेल्स मिलने लगे। इन ईमेल्स में स्कूलों में भीषण बम धमाके करने और इटली के लोगों के खिलाफ हिंसा फैलाने जैसी खौफनाक धमकियां दी गई थीं। इन धमकियों ने न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, बल्कि सीधे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। ईमेल मिलते ही देश के 300 से ज्यादा स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा खुफिया एजेंसियां सभी कैंपसों की तलाशी में जुट गईं। धमकी में कहा गया था कि पीएम मेलोनी की कार में बम है।

इन धमकी भरे ईमेल्स में इटली के लोगों के 'नरसंहार' और हिंसा फैलाने की बात कही गई थी। मैसेज में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारतों के अंदर एक 'पावरफुल विस्फोटक डिवाइस' रखी गई है, जिसे दूर बैठे ही रिमोट कंट्रोल से उड़ाया जा सकता है। इन धमकियों का दायरा केवल स्कूलों और बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का नाम सीधे तौर पर शामिल करते हुए लिखा गया था कि 'एक बम पीएम मेलोनी की कार के इंजन में भी फिट कर दिया गया है'। एक साथ देशभर के सैकड़ों स्कूलों और देश की प्रधानमंत्री को ऐसी सीधी धमकी मिलने से पूरी इतालवी सरकार में हड़कंप मच गया। स्कूलों और प्रशासन को भेजे गए इन सभी ईमेल्स के नीचे एक ही नाम लिखा हुआ था, 'मिखाइल एंड्रोपॉव, विलायत ऑफ मिसोगिनिस्तान का नेता'। हालांकि, इतालवी अधिकारियों के अनुसार, इस नाम या संस्था का कोई स्वतंत्र सत्यापन अभी तक नहीं हो सका है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है। पिछले हफ्ते ही यूरोप के अन्य देशों, जैसे आयरलैंड और बुल्गारिया के मीडिया संस्थानों को भी इसी नाम से ऐसे ही धमकी भरे ईमेल्स मिले थे। एक ही नाम और एक ही भाषा के बार-बार इस्तेमाल से यह अंदेशा जताया जा रहा है कि यह यूरोप भर में डर फैलाने का एक बड़ा और सुनियोजित नेटवर्क हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इटली सरकार के मंत्री तुरंत हरकत में आ गए। इटली के शिक्षा मंत्री जुसेपे वालदितारा ने बताया कि देशभर में लगभग 300 धमकियां दर्ज की गई हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'यह साफ नजर आ रहा है कि इसके पीछे एक सोची-समझी रणनीति काम कर रही है'।

वॉर मेमोरियल में फोटो खिंचवा रहे थे अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ

हंसते ही सिक्योरिटी गार्ड ने लगा दी फटकार...पत्नी भी थी साथ, वीडियो वायरल

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ चर्चा में बने हुए हैं। महाभियोग से बचने के बाद अब वो एक नए विवाद में फंस गए हैं। दरअसल हेगसेथ अपने स्टाफ के साथ वेटरन्स डे समारोह पर वर्जीनिया स्थित आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री पहुंचे थे। यहां उन्हें एक सिक्योरिटी गार्ड ने फटकार लगा दी। आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री का एक वीडियो सामने आया है जिसमें पीट हेगसेथ टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर के सामने सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार तमी राडाबाग भी नजर आए।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तस्वीर खिंचवाने के बाद जैसे ही ये ग्रुप आगे बढ़ा, वहां किसी की जोर से हंसने की आवाज सुनाई दी। इसी दौरान मकबरे पर सुरक्षा में तैनात एक सैनिक ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के सलाहकारों और स्टाफ के ग्रुप को फटकार लगा दी। सैनिक ने सख्त लहजे में कहा कि सभी टूरिस्ट हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखेंगे। इस मामले पर पेंटागन के शीर्ष प्रवक्ता सीन पार्नेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर दिन को मनाते समय, एक सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को मर्यादा बनाए रखने की याद दिलाई। रक्षा मंत्री और पूरे विभाग ने अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए हमारे सैन्य पुरुषों और महिलाओं के दिए गए बलिदानों का हमेशा सम्मान किया है और हमेशा करते रहेंगे।

बता दें यह मकबरा अमेरिका के सबसे पवित्र युद्ध स्मारकों में से एक है, जहां प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध के अज्ञात सैनिकों के अवशेष हैं। साल 1948 से सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान हर मौसम में चौबीसों घंटे इसकी पहरेदारी करते हैं। वेटरन्स डे के कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी शामिल हुए थे।

एक दिन पहले ही हेगसेथ अमरीकी कांग्रेस में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव से बाल-बाल बचे थे। रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी के लाए गए और डेमोक्रेट्स द्वारा समर्थित इस प्रस्ताव को मंगलवार को रोक दिया गया था। हालांकि, जनवरी 2027 में संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होने के बाद उन पर फिर से महाभियोग का खतरा मंडरा सकता है।

अवैध संबंध से बच्चे को जन्म देने पर महिला को मिली 100 कोड़ों की सजा

दुबई , एजेंसी। रोजी-रोटी की तलाश में अपना देश छोड़कर हजारों किलोमीटर दूर सऊदी अरब पहुंची केन्याई महिला एस्थर वांजा मुथोनी को वहां एक मिस्री शख्स के साथ शादी के बाहर संबंध बनाने और एक बच्चे को जन्म देने के मामले में 100 कोड़ों की सजा सुनाई गई है। सऊदी अरब में घरेलू कामगार के तौर पर काम कर रही मुथोनी की जिंदगी तब एक अनचाहे तूफान से घिर गई, जब बच्चे के जन्म के बाद यह मामला अथॉरिटीज तक पहुंच गया। वह हाउसकीपर और नैनी का काम करती थी और किसी तरह अपनी जिंदगी चला रही थी। एस्थर वांजा मुथोनी का इसी दौरान एक मिस्री शख्स से रिश्ता बना और वह गर्भवती हो गईं। उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया। समस्या तब शुरू हुई जब मुथोनी ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। सऊदी अरब के कानून के तहत, अस्पतालों को शादी के बाहर बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं की जानकारी अधिकारियों को देना अनिवार्य होता है।

डेमोक्रेटिक के दिग्गज सांसदों ने ईरान युद्ध को खत्म करने का बनाया दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े सैन्य दिग्गज सांसदों और हाल ही में निर्वाचित उनके सहयोगियों ने ईरान युद्ध को खत्म करने की मांग की है। वहीं उनकी पार्टी ने वेटरन्स डे के अवसर पर सैन्य कर्मियों के लिए ज्यादा मजबूत सुरक्षा उपायों और पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य सेवा लाभों तक व्यापक पहुंच की वकालत की है। पेंसिल्वेनिया से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि और इराक युद्ध के पूर्व सैनिक क्रिस डेलूजियो ने युद्ध खत्म करने और पूर्व सैनिकों के साथ खड़े होने की अपील के तहत संयुक्त बयान की घोषणा की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष केन मार्टिन और पार्टी की वेटरन्स एंड मिलिट्री फैमिलीज काउंसिल के सह-अध्यक्ष ऑटो ली और मार्ज हॉफा ने कहा कि सैन्य सेवा का सम्मान करने का अर्थ उन फैसलों की समीक्षा करना है, जो सैनिकों को खतरे में डालते हैं। उन्होंने संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के साथ-साथ जीवनयापन की लागत कम करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने और सैन्य परिवारों की सुरक्षा मजबूत करने का संकल्प लिया। सीनेटर टैमी डकवर्थ ने कांग्रेस से ईरान युद्ध के दौरान विषैले पदार्थों के संपर्क में आए पूर्व सैनिकों के लिए सुरक्षा प्रावधानों का विस्तार करने वाला कानून पारित करने की अपील की। डेमोक्रेटिक सांसद टैमी डकवर्थ ने कहा कि उनका प्रस्तावित न्यू पैक्ट फॉर ईरान वेटरन्स एक्ट उन कमियों को दूर करेगा, जिनकी वजह से युद्ध से लौटे सैन्यकर्मियों को स्वास्थ्य सेवाएं और लाभ पाने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। उनके कार्यालय के मुताबिक यह प्रस्ताव ईरान में सेवा देने वाले सैनिकों, जिनमें उसके वायुक्षेत्र और क्षेत्रीय जलक्षेत्र में तैनात कर्मी भी शामिल हैं, के लिए विषैले पदार्थों के संपर्क में आने की कानूनी मान्यता स्थापित करेगा।

डकवर्थ ने कहा कि किसी भी सैनिक को विदेश में युद्ध लड़ने के बाद घर लौटकर उस देखभाल और सुविधाओं के लिए दूसरी लड़ाई नहीं लड़नी चाहिए, जिसके वे अपनी सेवा के आधार पर हकदार हैं। यह प्रस्ताव फिलहाल विधायी प्रक्रिया में है। वेटरन्स डे पर उनकी अपील का उद्देश्य कांग्रेस से इसे पारित कराने का समर्थन जुटाना था, न कि यह घोषणा करना कि ये अतिरिक्त सुरक्षा उपाय पहले ही लागू हो चुके हैं। इस बीच ट्रंप की पूर्व सैनिकों के समर्थन संबंधी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आर्लिंग्टन नेशनल सेमेट्री में अपने संबोधन में कहा कि जब तक मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति हूं, हम हमेशा उनके प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे।

सम्पादकीय

दिल्ली की हवा में घुलता जहर, आखिर कब जागेगा सिस्टम?





शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

दिल्ली में वायु प्रदूषण ने एक बार फिर खतरनाक रूप धारण कर लिया है। शुक्रवार सुबह इस सीजन में पहली बार राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 403 तक पहुंच गया। हवा की गुणवत्ता बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंचने के साथ ही राजधानी के आसमान में स्मॉग की मोटी चादर छा गई। यह स्थिति केवल पर्यावरण के बिगड़ते संतुलन का संकेत नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की तैयारियों और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

हर साल सर्दियों की शुरुआत होते ही दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगता है। कुछ दिनों तक सरकारी विभाग सक्रिय दिखाई देते हैं, प्रतिबंधों की घोषणा होती है और प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बैठकों का दौर चलता है, लेकिन हालात सुधरने के बजाय लगातार बिगड़ते रहते हैं। सवाल यह है कि जब प्रदूषण का संकट हर साल सामने आता है, तो इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस तैयारी पहले से क्यों नहीं की जाती?

प्रदूषण के बढ़ते स्तर का सबसे बुरा असर आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए ऐसी हवा विशेष रूप से नुकसानदेह हो सकती है। सुबह घरों से निकलने वाले कामकाजी लोगों और विद्यार्थियों को भी प्रदूषित वातावरण का सामना करना पड़ रहा है। स्वच्छ हवा में सांस लेना नागरिकों की बुनियादी जरूरत है, लेकिन राजधानी में यही जरूरत संकट बनती जा रही है।

एक्यूआई के 403 तक पहुंचने के बाद जीआरएपी-4 लागू होने की संभावना ने चिंता और बढ़ा दी है। इस चरण के तहत निर्माण गतिविधियों, वाहनों और अन्य प्रदूषणकारी कार्यों पर सख्त पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। हालांकि, केवल प्रतिबंध लगाना ही समस्या का समाधान नहीं है। प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों पर प्रभावी कार्रवाई करना अधिक जरूरी है।

वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण स्थलों की धूल, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण के अन्य स्रोत इस समस्या को गंभीर बनाते हैं। इन सभी पर एक साथ और निरंतर कार्रवाई किए बिना हालात में स्थायी सुधार की उम्मीद करना मुश्किल है। दिल्ली के साथ-साथ आसपास के राज्यों और एनसीआर के शहरों को भी साझा रणनीति के तहत काम करना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर केवल आपातकालीन उपायों और अस्थायी प्रतिबंधों तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, औद्योगिक इकाइयां और आम नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझें। प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों की नियमित निगरानी हो और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए।

दिल्ली की हवा का एक्यूआई403 तक पहुंचना एक गंभीर चेतावनी है। यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने और ठोस कदम उठाने का है।

प्रधान संपादक

बदलती जीवनशैली में बढ़ता खतरा, जागरूकता और बचाव ही सबसे बड़ा उपचार

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

विश्व मधुमेह दिवस (वर्ल्ड डायबिटीज डे) प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुनिया भर में मधुमेह यानी शुगर की बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इसके कारणों, लक्षणों, दुष्परिणामों और बचाव के उपायों की जानकारी देना है। यह दिवस चिकित्सा जगत के महान वैज्ञानिक सर फ्रेडरिक बैंटिंग के जन्मदिवस के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्होंने चार्ल्स बेस्ट के साथ मिलकर इंसुलिन की खोज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्ष 1991 में अंतरराष्ट्रीय मधुमेह महासंघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दिवस की शुरुआत की थी।

वर्ष 2006 में संयुक्त राष्ट्र ने इसे आधिकारिक दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह मधुमेह क्या है? मधुमेह एक ऐसी दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें शरीर में रक्त शर्करा अर्थात रक्त में ग्लूकोज का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। हमारे शरीर को ऊर्जा प्राप्त करने के लिए ग्लूकोज की आवश्यकता होती है।अग्न्याशय नामक अंग से इंसुलिन हार्मोन निकलता है, जो रक्त में मौजूद ग्लूकोज को शरीर की कोशिकाओं तक पहुंचाने में सहायता करता है। जब शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता अथवा उसका सही उपयोग नहीं कर पाता, तब रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ने लगती है। लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर शरीर के विभिन्न अंग प्रभावित होने लगते हैं।

मधुमेह मुख्य रूप से तीन प्रकार का होता है। पहला टाइप 1 मधुमेह ; इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। ऐसे रोगियों को जीवनभर इंसुलिन की आवश्यकता हो सकती है। यह बच्चों और युवाओं में भी हो सकता है। दूसरे टाइप 2 मधुमेह ; यह सबसे सामान्य प्रकार है। इसमें शरीर इंसुलिन का प्रभावी उपयोग नहीं कर पाता अथवा पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनता। मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, असंतुलित खानपान और आनुवंशिक कारण इसके जोखिम को बढ़ाते हैं। तीसरे गर्भावधि मधुमेह ; कुछ महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान रक्त शर्करा बढ़ जाती है। समय पर नियंत्रण नहीं होने पर मां और शिशु दोनों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

मधुमेह के शुरुआती लक्षण कई बार सामान्य दिखाई देते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। बार-बार पेशाब आना, अत्यधिक प्यास लगना, भूख बढ़ना, बिना प्रयास वजन कम होना, थकान महसूस होना, आंखों से धुंधला दिखाई देना, घाव भरने में अधिक समय लगना तथा बार-बार संक्रमण होना इसके प्रमुख लक्षण हैं। हालांकि टाइप-2 मधुमेह में कई बार लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। इसलिए समय-समय पर रक्त शर्करा की जांच कराना आवश्यक है। चिकित्सक की सलाह से उपवास रक्त शर्करा, भोजन के बाद रक्त शर्करा और एचबीए1सी जांच के माध्यम से बीमारी की पहचान की जा सकती है।

आज की आधुनिक जीवनशैली ने मधुमेह के खतरे को बढ़ा दिया है। घंटों बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम में कमी, फास्ट फूड, अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ, तली-भुनी चीजों का सेवन, मोटापा, अनियमित दिनचर्या और मानसिक तनाव इसके प्रमुख जोखिम कारक हैं। इसके अतिरिक्त परिवार में मधुमेह का इतिहास, बढ़ती उम्र और नींद की कमी भी टाइप-2 मधुमेह की आशंका बढ़ा सकते हैं। चिंता का विषय यह है कि अब कम उम्र के लोगों में भी इस बीमारी के मामले सामने आ रहे हैं।

यदि मधुमेह को नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। इससे हृदय रोग, लकवा, गुर्दे की बीमारी, आंखों की रोशनी कम होना और अंधापन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त पैरों की नसों को नुकसान पहुंचने से सुन्नपन, जलन और घाव होने का खतरा रहता है। गंभीर स्थिति में पैर काटने तक की नौबत आ सकती है। इसलिए मधुमेह को केवल शुगर बढ़ने की बीमारी मानना उचित नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली समस्या है।

मधुमेह से बचाव के लिए जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आवश्यक हैं। संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम और अनुशासित दिनचर्या इसके खतरे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट तेज चाल से पैदल चलें। भोजन में हरी सब्जियां, दालें, साबुत अनाज और रेशेदार खाद्य पदार्थ शामिल करें। मिठाई, चीनी, मीठे पेय और अत्यधिक तले-भुने भोजन से परहेज करें। शरीर का वजन संतुलित रखें। नियमित रूप से रक्त शर्करा की जांच कराएं। पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करने का प्रयास करें। धूम्रपान और तंबाकू से दूरी बनाएं। चिकित्सक द्वारा निर्धारित दवाओं और इंसुलिन का नियमित सेवन करें। मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति को बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा या इंसुलिन बंद नहीं करना चाहिए। साथ ही आंखों, गुर्दों, पैरों और हृदय की नियमित जांच भी करानी चाहिए।

विश्व मधुमेह दिवस हमें यह संदेश देता है कि मधुमेह से डरने की नहीं, बल्कि समझने और समय रहते नियंत्रित करने की आवश्यकता है। परिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्थाओं और स्वास्थ्य संगठनों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों, निःशुल्क जांच और जनसंवाद के माध्यम से लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जा सकता है। विशेष रूप से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए मधुमेह की जांच, दवाओं और उपचार की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

किताबों की दुनिया में लौटती उत्सुकताः 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' ने फिर जगाई पढ़ने की उम्मीद

अमन प्रकाश दीक्षित

आधुनिक युग में भारतीय समाज के भीतर किताबें पढ़ने की आदत लगातार कमजोर होती दिखाई दे रही है। एक समय था जब किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र मानी जाती थीं। अखबार, पत्रिकाएं और साहित्यिक पुस्तकों का लोगों के जीवन में विशेष स्थान हुआ करता था। सुबह की शुरुआत अखबार के साथ होती थी और खाली समय में लोग उपन्यास, कहानियां, कविताएं तथा विचारपरक लेख पढ़कर अपना समय बिताते थे।

आज से लगभग 25 से 30 वर्ष पहले का दौर याद करें तो मनोरंजन के साधन भी सीमित थे। दूरदर्शन तक हर घर की पहुंच नहीं थी और सोशल मीडिया जैसा कोई माध्यम मौजूद नहीं था। उस समय लोगों के पास समय था, धैर्य था और पढ़ने की एक स्वाभाविक रुचि भी थी। पुस्तकालयों में पाठकों की भीड़ दिखाई देती थी। अखबार और पत्रिकाओं की बिक्री भी अच्छी होती थी। किताबें केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं थीं, बल्कि विचारों को समझने, समाज को जानने और जीवन को देखने का नजरिया विकसित करने का जरिया भी थीं।

लेकिन समय बदला। तकनीक ने जीवन की रफ्तार बदल दी। मोबाइल फोन ने धीरे-धीरे किताबों की जगह

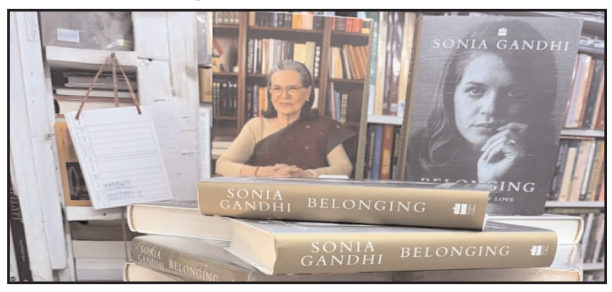

ले ली। अब समाचार से लेकर मनोरंजन तक सब कुछ मोबाइल की स्क्रीन पर उपलब्ध है। सोशल मीडिया ने लोगों को सूचनाओं से तो जोड़ दिया, लेकिन लंबे समय तक किसी विषय को पढ़ने और समझने का धैर्य कहीं न कहीं कम होता चला गया। कुछ मिनटों की छोटी वीडियो और कुछ पंक्तियों की पोस्ट ने किताबों के लंबे सफर को पीछे छोड़ दिया।

इसी बदलते दौर में इन दिनों सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' को लेकर चर्चा और उत्सुकता देखने को मिल रही है। यह अपने आप में एक दिलचस्प बात है कि जब समाज में पुस्तक पढ़ने की आदत कमजोर पड़ने की चर्चा होती है, उसी समय किसी पुस्तक को लेकर लोगों में इतनी जिज्ञासा दिखाई दे रही है। कई वर्षों बाद किसी पुस्तक को लेकर सार्वजनिक स्तर पर ऐसी चर्चा होना पुस्तक संस्कृति के लिहाज से एक सुखद संकेत माना जा सकता है।

आखिर किताबों की अपनी एक अलग दुनिया होती है। कोई किताब केवल अपने लेखक के विचारों को नहीं बताती, बल्कि पाठक को अपने अनुभवों, भावनाओं और कल्पनाओं के साथ एक नए सफर पर ले जाती है। किताबों के पन्नों में दर्ज शब्द कभी इतिहास बन जाते हैं, कभी किसी व्यक्ति की आत्मकथा और कभी समाज के सामने आईना बनकर खड़े हो जाते हैं।

यह भी सच है कि हर दौर में कुछ पुस्तकें अपनी विषयवस्तु, लेखक और उनसे जुड़ी जिज्ञासा के कारण चर्चा में आती हैं। किसी पुस्तक को पढ़ने की उत्सुकता उसके प्रति सहमति या असहमति से अलग भी हो सकती है। पाठक किसी विचार को समझना चाहता है, किसी अनुभव को जानना चाहता है और किसी व्यक्तित्व के जीवन को उसके अपने शब्दों में पढ़ना चाहता है। यही पुस्तक संस्कृति की वास्तविक खूबसूरती है।

वक्त कभी एक जैसा नहीं रहता। समाज बदलता है, तकनीक बदलती है, लोगों की पसंद बदलती है, लेकिन इंसान की भावनाएं, उसकी जिज्ञासा और अपने अतीत को जानने की इच्छा हमेशा बनी रहती है। जरूरत इस बात की है कि हम नई तकनीक को अपनाते हुए किताबों से अपना रिश्ता खत्म न होने दें।

क्योंकि मोबाइल हमें दुनिया की खबर दे सकता है, लेकिन एक अच्छी किताब हमें दुनिया को समझने का नजरिया देती है। स्क्रीन पर दिखाई देने वाले शब्द कुछ पल में आंखों से गुजर जाते हैं, लेकिन किताबों में पढ़े गए विचार कई बार जीवन भर हमारे साथ रहते हैं।

शायद किसी चर्चित पुस्तक को लेकर पैदा हुई यह उत्सुकता एक बार फिर समाज को याद दिला रही है कि किताबों का दौर कभी समाप्त नहीं होता। पाठक भले कम हो जाएं, लेकिन शब्दों की ताकत और विचारों की जरूरत कभी खत्म नहीं हो सकती। किताबें केवल पढ़ी नहीं जातीं, वे इंसान के भीतर एक नई दुनिया भी बनाती हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

राशिफल

मेषः आज का दिन आपके लिए उत्साह और नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

वृषभः आज आपके रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यापार में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें।

मिथुनः आज आपको अपने कार्यों में धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। अनावश्यक खर्चों से बचें।

कर्कः आज का दिन अनुकूल रह सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं।

सिंहः आज आत्मविश्वास और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्याः आज का दिन मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य से समाधान संभव है।

तुलाः आज भाग्य का सहयोग मिलने के संकेत हैं। नौकरी और व्यापार में प्रगति हो सकती है।

वृश्चिकः आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर बनेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें।

धनुः आज नए कार्यों की शुरुआत के लिए उत्साह बना रहेगा। नौकरी और व्यापार में सकारात्मक अवसर मिल सकते हैं।

मकरः आज मेहनत और धैर्य से सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कुंभः आज का दिन नई योजनाओं के लिए अनुकूल रह सकता है। कार्यक्षेत्र में सफलता के अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है।

मीनः आज सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का दिन है। नौकरी और व्यापार में अच्छे अवसर मिल सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लाभ होगा।

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है।

भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है।

प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है।

भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा।

जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी।

ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। जनसंख्या संबंधी नीतियां नागरिकों के अधिकारों, विशेषकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अनुरूप होनी चाहिए। जब परिवार स्वाभाविक रूप से छोटे हो रहे हैं, तब दंडात्मक कानूनों के माध्यम से परिवार के आकार को नियंत्रित करने का प्रयास सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत परिणाम पैदा कर सकता है। इससे गरीब परिवारों, महिलाओं और वंचित समुदायों पर असमान दबाव पड़ने की आशंका भी रहती है।

भारत के सामने वास्तविक चुनौती जनसंख्या को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि जनसंख्या की बदलती संरचना के अनुरूप सार्वजनिक नीतियों का निर्माण करना है। वृद्धजनों के लिए व्यापक पेंशन व्यवस्था, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धावस्था देखभाल केंद्र तथा सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आवश्यक है। साथ ही, कार्यशील आयु वर्ग की आबादी को उत्पादक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा। जनसांख्यिकीय लाभांश तभी वास्तविक आर्थिक लाभ में परिवर्तित हो सकता है, जब युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध हों।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी इस परिवर्तन का केंद्रीय विषय है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, समान वेतन, मातृत्व सुविधाएं और प्रजनन संबंधी निर्णयों में स्वतंत्रता प्रदान करना किसी भी प्रभावी जनसंख्या नीति की आधारशिला होनी चाहिए।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सफ़र से रोज़गारः घूमिए, सीखिए और कमाइए

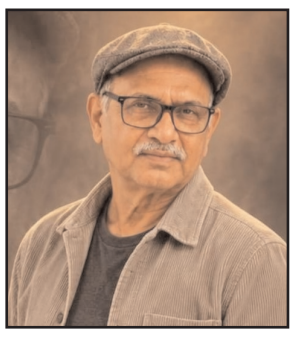

डॉ. विजय गर्ग

सफ़र अब केवल मनोरंजन करने या नई जगहों को देखने का साधन नहीं रह गया है। आधुनिक युग में यह नए कौशल सीखने, विभिन्न संस्कृतियों को समझने और पैसे कमाने का अवसर भी बन सकता है। 'सफ़र से रोज़गारः घूमिए, सीखिए और कमाइए' का विचार लोगों को अपनी यात्राओं को ऐसे सार्थक अनुभवों में बदलने के लिए प्रेरित करता है, जहाँ रोमांच, शिक्षा और रोज़गार का सुंदर संगम हो।

सामान्यतः पर्यटन में लोग प्रसिद्ध स्थानों को देखते हैं, तस्वीरें खींचते हैं और यादें लेकर घर लौट आते हैं। लेकिन उद्देश्यपूर्ण यात्रा इससे कहीं आगे जाती है। यह हमें स्थानीय परंपराओं को समझने, नए व्यवसायों के बारे में जानने, लोगों से बातचीत करने और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर देती है। हर नया स्थान एक कक्षा बन सकता है और हर यात्रा ऐसे सबक सिखा सकती है, जिन्हें केवल किताबों से पूरी तरह नहीं सीखा जा सकता।

डिजिटल तकनीक के विकास ने यात्रा करते हुए काम करने के अनेक नए रास्ते खोल दिए हैं। फ्रीलांसर लेखन, ग्राफिक डिजाइनिंग, प्रोग्रामिंग, अनुवाद और ऑनलाइन शिक्षण जैसे कार्य इंटरनेट की सहायता से अनेक स्थानों से कर सकते हैं। यात्रा ब्लॉगर, फोटोग्राफर, वीडियो निर्माता और डिजिटल सामग्री तैयार करने वाले लोग भी अपने काम से कमाई कर सकते हैं। हालाँकि, इन क्षेत्रों में नियमित आय स्थापित करने के लिए समय, मेहनत और धैर्य की आवश्यकता होती है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटक गाइड के रूप में काम करना, भाषाएँ सिखाना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना, पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं में सहयोग देना तथा होटल और पर्यटन उद्योग में काम करना भी रोजगार के विकल्प हो सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप, शैक्षिक आदान-प्रदान और कौशल विकास कार्यक्रम सीखने के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर प्रदान करते हैं।

हालाँकि, विदेशों में काम करने या स्वयंसेवा करने के लिए वीज़ा, वर्क परमिट और अन्य कानूनी नियमों का पालन करना आवश्यक हो सकता है।

यात्रा केवल पैसा कमाने तक सीमित नहीं है। अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों से मिलने से संवाद कौशल, सांस्कृतिक समझ, आत्मविश्वास और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता विकसित होती है। अनजान स्थानों पर जाने से समस्याओं का समाधान खोजने, स्वतंत्र रूप से सोचने और सही निर्णय लेने की योग्यता बढ़ती है।

विद्यार्थियों के लिए यात्रा इतिहास, भूगोल, विज्ञान, कृषि, व्यापार और पर्यावरण संरक्षण को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर है। खेतों, संग्रहालयों, अनुसंधान केंद्रों, उद्योगों और ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण पुस्तकों में पढ़ी गई बातों को जीवंत अनुभवों में बदल सकता है।

युवा यात्रा के दौरान बजट बनाना, खर्चों की तुलना करना और धन का समझदारी से उपयोग करना भी सीख सकते हैं। ये कौशल जीवनभर उनके काम आते हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

बैंक ऑफ अमेरिका की जारी नई रिपोर्ट ने दुनियाँ को चौंकाया!

एड. किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां एक ओर वैश्विक वित्तीय संस्थान भारतीय विकास की संभावनाओं पर भरोसा जता रहे हैं, दूसरी ओर केंद्र सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की बात कर रही है। भारत में आर्थिक बहस अक्सर गरीबों के कल्याण और उद्योगों को प्रोत्साहन देने के इर्द-गिर्द केंद्रित रहती है। यह आवश्यक भी है, लेकिन मध्यवर्ग और छोटेकारोबारियों की समस्याओं को भी समान गंभीरता से समझने की आवश्यकता है।

यही वर्ग कर भुगतान, उपभोग, बचत, निवेश और रोजगार सृजन के माध्यम से अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करता है।लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि आर्थिक विकास की वास्तविक सफ़लता केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों, शेयर बाजार के सूचकांकों अथवा औद्योगिक उत्पादन की तेजी से नहीं मापी जा सकती। इसकी असली कसौटी यह है कि विकास का लाभ गरीब, मध्यम वर्ग, नौकरीपेशा परिवार छोटे व्यापारी, उद्यमी और किसानों तक किस सीमा तक पहुंचता है। इसी व्यापक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में 12 नवंबर 2026 का दिन भारत की आर्थिक चर्चा के लिए विशेष महत्व रखता है।

भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर बड़े अनुमान को समझने की करें तो,12 नवंबर 2026 को सामने आए आर्थिक आकलन में सबसे महत्वपूर्ण चर्चा बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज की आर्थिक विकास संबंधी रिपोर्ट की है।बैंक ऑफ अमेरिका ग्लोबल रिसर्चके अर्थशास्त्रियों के आकलन के अनुसार वित्त वर्ष 2026- 27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रह सकती है।यह अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था की आंतरिक मजबूती, औद्योगिकगतिविधियों और विनिर्माण क्षेत्र की बेहतर संभावनाओं को रेखांकित करता है। इस अनुमान के पीछे सबसे महत्वपूर्ण आधार औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण गतिविधियों में तेजी है।

विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 8.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 7.3 प्रतिशत की मजबूती तथा सेवाक्षेत्र की सक्रियता अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। इसके अतिरिक्त बैंक ऋण वृद्धि लगभग 20 प्रतिशत के आसपास रहने, वाहन बिक्री, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की मांग, बिजली की खपत और माल ढुलाई गतिविधियों में मजबूती को भी विकास के सकारात्मक संकेतकों के रूप में देखा गया है।

बैंक ऑफ अमेरिका का आकलन यह भी बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल सरकारी खर्च के सहारे विकास नहीं हो रहा, बल्कि निजी क्षेत्र की गतिविधियां, उपभोग और औद्योगिक निवेश भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही कारण है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतकी विकास संभावनाओं को सकारात्मक माना जा रहा है।एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक स्पष्टीकरण उपलब्ध प्रकाशित समाचारों में इस आकलन की किसी अलग औपचारिक रिपोर्ट का निश्चित शीर्षक नहीं दिया गया है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

आस्था से राजनीति तक छठ पूजा का बदलता स्वरूप

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान के रूप में प्रतिष्ठित छठ पूजा आज देश के महानगरों के सामाजिक और सार्वजनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। कभी प्रवासी परिवारों के बीच सीमित संसाधनों और निजी आस्था के साथ मनाया जाने वाला यह पर्व अब दिल्ली, मुंबई, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम जैसे शहरों में बड़े सार्वजनिक आयोजनों के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। घाटों की सजावट, सरकारी व्यवस्थाएं, सार्वजनिक अवकाश और राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी इस बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं। छठ पूजा का यह विस्तार केवल धार्मिक लोकप्रियता की कहानी नहीं है, बल्कि इसके पीछे प्रवास, सामाजिक परिवर्तन, सांस्कृतिक पहचान और बदलती शहरी राजनीति की एक लंबी प्रक्रिया भी जुड़ी हुई है। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से रोजगार तथा बेहतर जीवन की तलाश में महानगरों का रुख करने वाले लाखों लोगों ने अपने श्रम से इन शहरों की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। इसी के साथ वे अपनी भाषा, खानपान, लोकगीत, रीति-रिवाज और त्योहार भी लेकर आए। समय के साथ उनकी आबादी बढ़ी और महानगरों की सामाजिक संरचना में उनकी भागीदारी मजबूत होती गई।

गद्दारी कर देश से मेरे....

कायर है ये दुशमन कितना
पीछे से वार चलाता है
गोला बारूद से खेलें जो
उनहे गोलियों से डराता है

सीमा पर मुसतैद हैं पहरी
सीमा की सीमा जानते हैं
जो तोडें सीमा की सीमा
उनहे सबक सिखाकर मानते हैं

गद्दारी कर देश से मेरे
कया जिंदा तुम बच पाओगे
प्रताप गोविंद कंण कण मे बसते
बाल न बांका कर पाओगे

अनामिका गुप्ता

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.ए

शराब ठेके पर विवाद के बाद मारपीट, घायल युवक की मौत

मीरजापुर।

लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत बामी गांव में शराब ठेके पर हुए विवाद के बाद मारपीट में घायल युवक की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

बामी गांव निवासी संजय कुमार (35) का गुरुवार देर शाम अपने एक रिश्तेदार के साथ शराब ठेके पर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इसमें संजय गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां से चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर वाराणसी स्थित बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे उसकी मौत हो गई।

लहंगपुर चौकी प्रभारी गुरु प्रसाद सिंह ने बताया कि मामले में परिवार की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

अमेठी : शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवार युवक की मौत, भाभी और बहन गंभीर घायल

अमेठी।

उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद अंतर्गत रानीगंज-वारिसगंज मार्ग पर भीखनपुर के पास गुरुवार देर रात तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी भाभी और बहन गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के लुसई का पुरवा निवासी श्याम बहादुर भाभी सनी कुमारी और बहन ऊषा के साथ जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के दिछौली गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात को बाइक से घर लौट रहा था। भीखनपुर के पास मुर्गी दाना लदे तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तीनों को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने श्याम बहादुर (20) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दोनों महिलाओं का उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिकअप की रफ्तार काफी तेज थी। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बाइक को टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया।

सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मामले में परिजनों की ओर से अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

युवक की हत्या कर शव फेंका, सिर-चेहरा कुचला गया

कानपुर।

उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के चकेरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एचएएल परिसर की बाउंड्री के बाहर एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। युवक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान भी मिले हैं। आशंका जताई है कि, हत्या करने के बाद पहचान छिपाने के इरादे से पत्थर से उसका सिर और चेहरा कुचला गया। घटनास्थल पर बाउंड्री का एक हिस्सा भी टूटा हुआ मिला। शव देखकर स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किये। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पड़ताल में जुट गई है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए बार-बार नहीं भरना होगा ये फॉर्म; इसलिए बढ़ रहीं दोहरी प्रविष्टियां

बरेली

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए बार-बार फॉर्म-6 नहीं भरना होगा। रेफरेंस नंबर नहीं मिलने पर दोबारा आवेदन से डुप्लीकेट प्रविष्टियां बढ़ रहीं हैं। आवेदन में सही मोबाइल नंबर दर्ज होने से आवेदक रेफरेंस नंबर के जरिये आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने के बाद रेफरेंस नंबर का मेसेज नहीं आने पर अब दोबारा आवेदन की जरूरत नहीं है। दोबारा आवेदन से डुप्लीकेट प्रविष्टियां बढ़ रही हैं। इसे रोकने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने जन सुविधा केंद्र (सीएससी) संचालकों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को जारी पत्र में कहा है कि फॉर्म-6 भरते समय आवेदक का वास्तविक और सक्रिय मोबाइल नंबर ही दर्ज किया जाए। सीएससी संचालक अपने मोबाइल नंबर या कोई काल्पनिक

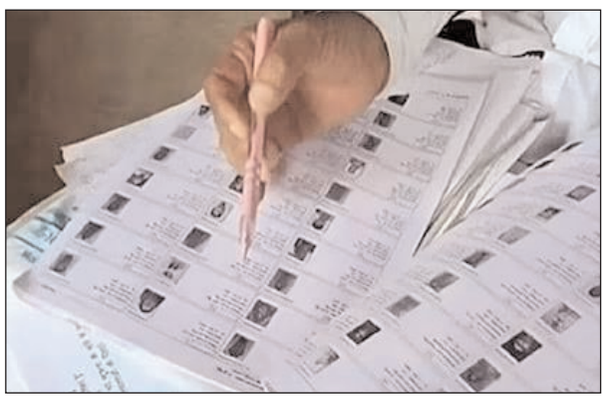

नंबर दर्ज न करें। इसी मोबाइल नंबर पर रेफरेंस नंबर भेजा जाता है।

निदेशों के मुताबिक, फॉर्म-6 का अंतिम सबमिशन ई-साइन के बाद ही होता है। आधार नंबर देने पर आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी आता है। ओटीपी दर्ज कर ई-साइन सफल होने के बाद आवेदन का रेफरेंस नंबर जनरेट होता है।

आवेदन जमा होने पर स्क्रीन पर भी इसकी पुष्टि का संदेश प्रदर्शित होता है। मेसेज नहीं पहुंचने पर सीएससी संचालक स्क्रीन पर प्रदर्शित रेफरेंस नंबर का स्क्रीनशॉट लेकर आवेदक को दें या उसे नोट कराएं। इससे दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मोबाइल नंबर से डाउनलोड कर सकेंगे ई-एपिक

आवेदन में सही मोबाइल नंबर दर्ज होने से आवेदक रेफरेंस नंबर के जरिये आवेदन की स्थिति ट्रैक कर सकेंगे। दस्तावेजों, फोटो, आयु प्रमाणपत्र या पते से संबंधित कोई कमी होने पर भी उन्हें सूचना दी जा सकेगी। पंजीकृत मोबाइल नंबर की मदद से ई-ईपिक डाउनलोड किया जा सकेगा। एपिक नंबर याद नहीं होने पर भी वोटर्स सर्विस पोर्टल और ईसीआईनेट मोबाइल एप से मतदाता सूची में अपना नाम, विधानसभा क्षेत्र, मतदान केंद्र और बीएलओ की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

सही पता और पिनकोड भरना भी जरूरी

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने फॉर्म-6 पर आवास का पूरा पता और सही पिनकोड दर्ज करने पर भी जोर दिया है। पिनकोड गलत होने पर डाक विभाग स्पीड पोस्ट से भेजे गए मतदाता पहचान पत्र को वापस कर सकता है।

सीएससी संचालकों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी और ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर की जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी को दी गई है। बीएलओ, एईआरओ और ईआरओ को भी डुप्लीकेट प्रविष्टियां रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इन निदेशों का मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराने के लिए कहा है।

पंचायत चुनाव मतदाता सूची से 250 नाम काटने का आरोप

पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से आंवला के ग्राम कतरोई ठाकुरान और माजरा रुखारा के करीब 250 ग्रामीणों के नाम काटने का आरोप है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह से इसकी निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

अजय साहनी मुरादाबाद परिक्षेत्र नए पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुनिराज जी बरेली के नए डीआईजी



मुरादाबाद।

शासन ने गुरुवार रात्रि में पुलिस महकमें में बड़ा फेरबदल किया। बरेली के पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय साहनी को मुरादाबाद परिक्षेत्र का नया डीआईजी नियुक्त किया है। वहीं मुरादाबाद के डीआईजी रहे मुनिराज जी को बरेली का नया उप महानिरीक्षक बनाया है। यह दोनों अधिकारी वर्ष 2009 बैच के हैं।

शासन ने गुरुवार रात्रि में तीन आईपीएस अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया।

पुलिस विभाग में अचानक हुए फेरबदल को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर माना जा रहा है।

मंदिर जाने का ढोंग कर रहे अखिलेश यादव: राकेश त्रिपाठी

लखनऊ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक ओर मंदिर जाने का ढोंग कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर उनकी पार्टी के नेता रोज सनातन को अपमानित कर रहे हैं। इसका खामियाजा उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मतदाता उन्हें भुगतने पर मजबूर करेगा।

राकेश त्रिपाठी ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि जानबूझकर हिन्दू देवी-देवताओं पर टिप्पणी, धर्म ग्रन्थों पर



टिप्पणी, साधू संतों को अपमानित करना और हमारे पर्व त्योहारों पर जान बूझकर भ्रम फैलाना समाजवादी पार्टी ने अभ्यास बना लिया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है बार-बार सपा के नेताओं को टास्क दिया गया है कि कैसे सनातन को अपमानित करिए और मजहबी गोलबंदी करिए।

वाराणसी में नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व डाला छठ, घरों से घाटों तक गूंज रहे छठी मइया के गीत

रेलवे स्टेशनों, बाजारों और घरों में छठ गीतों की धूम, पूजन सामग्री की खरीदारी और गंगाघाटों ,तालाबों के तटों पर वेदी बनाने की तैयारियां तेज



वाराणसी।

लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व डाला छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व की शुरूआत होते ही वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल और उत्तर प्रदेश में छठी मइया की आराधना का माहौल बन गया है। वाराणसी मंडल के रेलवे स्टेशनों से लेकर घरों और बाजारों तक छठी मइया के पारंपरिक गीत गूंज रहे हैं। 'बाट जे पूछेला बटोहिया, बहंगी केकरा के जाय...' और 'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...' जैसे लोकगीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया है।

महापर्व को लेकर व्रती महिलाओं और उनके परिजनों में खासा उत्साह है। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में पूजन सामग्री की खरीदारी के साथ प्रसाद तैयार करने और छठ पूजा के लिए वेदी बनाने का काम शुरू हो गया है। वाराणसी में गंगा घाटों, कुंडों और सरोवरों के किनारे श्रद्धालु पूजा स्थल तैयार करने में जुटे हैं। वहीं, प्रदेश के अन्य जिलों में भी नदियों और तालाबों के किनारे वेदी बनाने तथा पूजा के लिए स्थान सुरक्षित करने की तैयारियां चल रही हैं।

नहाय-खाय से शुरू हुई चार दिवसीय पूजा

महापर्व के पहले दिन शुक्रवार को व्रती महिलाओं ने सुबह स्नान-ध्यान कर भगवान सूर्य की आराधना की और चार दिवसीय व्रत का संकल्प लिया। इसके बाद आम की लकड़ी से मिट्टी के चूल्हे पर अरवा चावल का भात, चने की दाल और कद्दू की सब्जी तैयार कर छठी मइया को भोग अर्पित किया। शाम को व्रती महिलाएं इस प्रसाद को ग्रहण करेंगी और परिवार के सदस्यों के बीच वितरित करेंगी।शनिवार, 14 नवंबर को खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती महिलाएं दिनभर निर्जल उपवास रखकर छठी मइया का ध्यान करेंगी। शाम को स्नान के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रसियाव (गुड़ की खीर), घी लगी रोटी और केले का भोग अर्पित किया जाएगा।

प्रयागराज में 17 और 18 नवंबर को लगेगा रोजगार मेला, 40 हजार से अधिक पदों पर होगी भर्ती

100 प्रतिष्ठित कंपनियां करेंगी युवाओं का चयन, 10 हजार से 40 हजार रुपये तक मिलेगा वेतन

प्रयागराज।

युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत प्रयागराज में दो दिवसीय वृहद रोजगार महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और शंभूनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, झलवा के संयुक्त तत्वावधान में 17 और 18 नवंबर को संस्थान परिसर में रोजगार मेला लगेगा। इसमें निजी क्षेत्र की 100 प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी। कंपनियों की ओर से 40 हजार से अधिक पदों पर युवाओं का सीधे चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से 40 हजार रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा।

सहायक निदेशक सेवायोजन राजीव कुमार यादव ने बताया कि रोजगार महोत्सव दोनों दिन सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें अलग-अलग शैक्षिक योग्यता वाले अभ्यर्थियों को शामिल होने का अवसर दिया गया है। 17 नवंबर को जूनियर हाईस्कूल, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए, बीई और परास्नातक उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकेंगे।

इसी तरह 18 नवंबर को आईटीआई, डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक, बीटेक और एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे। दोनों दिन आयोजित होने वाले मेले में 18 से 45 वर्ष तक की आयु के बेरोजगार अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। साथ ही अपने सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों, अंकपत्रों और जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रति लेकर पहुंचना होगा। विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रिक्तियों और उनसे संबंधित विस्तृत जानकारी रोजगार संगम पोर्टल १ङ्ब्ँ१ २ल्ल्ें.४स्ॉ.ङ्ब्५.ल्ल पर प्राप्त की जा सकती है। मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

प्रयागराज सेवायोजन सहायक निदेशक राजीव कुमार यादव ने बताया कि "युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए दो दिवसीय वृहद रोजगार महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसमें 100 प्रतिष्ठित कंपनियां 40 हजार से अधिक पदों पर सीधे भर्ती करेंगी। हमारी कोशिश है कि अधिक से अधिक बेरोजगार युवा इस अवसर का लाभ उठाएं। अभ्यर्थी अपनी योग्यता के अनुसार निर्धारित तिथि पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करें।"

राष्ट्रपति भवन के सुरक्षा गार्ड पर हमले के दो आरोपित मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

बागपत।

राष्ट्रपति भवन में तैनात सुरक्षा गार्ड सौरभ कुमार पर उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के रमाला थाना क्षेत्र स्थित गांव गोपालपुर खड़ाना में दीपावली की रात जानलेवा हमला हुआ। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद दोनों वांछित आरोपित धीरज और मोनू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित धीरज के पैर में गोली लगी है। घायल दोनों आरोपितों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।



पुलिस अधीक्षक पूर्णेंदु सिंह ने शुक्रवार को बताया कि दीपावली की रात गांव गोपालपुर खड़ाना में पड़ोसियों के बीच विवाद के बाद गोलीबारी हुई थी। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में सुरक्षा गार्ड के पद पर तैनात सौरभ कुमार को गोली लग गई थी। वहीं, विनीत के सिर पर डंडा मारकर उसे घायल कर दिया था। मामले में रमाला थाना पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रमाला पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। दोनों अपराधियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

बीतीरात पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपित गांव के एक गन्ने के खेत में छिपे हुए हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने खेत की घेराबंदी कर दी। इस दौरान आरोपित धीरज ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें धीरज के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने मौके से ही उसे दबोच लिया।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर बब्बू के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

बहराइच।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार अलसुबह पयागपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और एक शातिर अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर बब्बू के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी के जेवर और 14,500 रुपये नकद बरामद हुए हैं। आरोपी के खिलाफ बहराइच समेत अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।



13 नवंबर की भोर में पयागपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे अंडरपास पुलिया के आगे एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की वारदात को अंजाम देने अथवा चोरी का सामान बेचने की फिराक में है। सूचना पर थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर संदिग्ध की तलाश शुरू की। इसी दौरान एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह रेलवे ट्रैक की आड़ लेकर पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगा।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दाहिने पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। उसकी पहचान बब्बू पुत्र रामप्रसाद निवासी बबया, थाना पयागपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, एक खोखा और दो जिंदा कारतूस, सफेद धातु की नौ पायल, 11 बिछिया और 14,500 रुपये नकद बरामद हुए।

मुठभेड़ की सूचना पर घटना स्थल पर पहुँचे पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पयागपुर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने हाल ही में पयागपुर क्षेत्र में हुई एक चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

डीएम ने पीपरपुर में कराई धान की क्रॉप कटिंग, 43.3 वर्गमीटर में 23.840 किलो उत्पादन

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने गुरुवार को तहसील औरैया के राजस्व ग्राम पीपरपुर में धान की फसल की उत्पादकता का आकलन करने के लिए क्रॉप कटिंग कराई। उन्होंने कृषक प्रकाश चन्द्र पुत्र राजनरायन के खेत में अपनी मौजूदगी में निर्धारित 43.3 वर्गमीटर क्षेत्रफल में धान की कटाई कराई। इसमें 23.840 किलोग्राम धान का उत्पादन प्राप्त हुआ।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को फसल क्षति होने



पर क्षतिपूर्ति देने में क्रॉप कटिंग के आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन आंकड़ों के आधार पर फसल की वास्तविक उत्पादकता का आकलन किया जाता है और बीमित किसानों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति निर्धारित करने में मदद मिलती है।

इस दौरान डीएम ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं और कृषि संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से अपनी उपज निर्धारित सरकारी धान क्रय केंद्रों पर ही बेचने की अपील की, ताकि उन्हें शासन की ओर से निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ मिल सके। उन्होंने किसानों को फसल अवशेष (पराली) न जलाने के लिए भी जागरूक किया। कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

पुलिस मुठभेड़ में हत्यारोपित सलमान घायल

फिरोजाबाद।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में थाना सिरसागंज पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार देर रात्रि युवक की हत्या कर शव फेंकने के मामले में वांछित आरोपित आमिर उर्फ सलमान खान को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में आरोपित के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।



सीओ सिरसागंज चंचल त्यागी ने बताया कि थाना सिरसागंज क्षेत्र अन्तर्गत 10 नवंबर को एक अज्ञात युवक का शव मिला था। बाद में उसकी पहचान बरेली जिले के शीशगढ़ निवासी फईम अहमद के रूप में हुई थी। इस मामले में हत्या और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना में आमिर उर्फ सलमान खान निवासी अहमदपुर नामजद था। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई थीं। थाना प्रभारी सिरसागंज अनिल कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ बृहस्पतिवार की देर रात्रि क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि आरोपित घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और अन्य सामान छिपाने की फिराक में जा रहा है। इस पर नगला छोटे से शिकोहाबाद जाने वाले मार्ग पर चेकिंग शुरू की गई। अहमदपुर बंबा के पास पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

योगी के मंत्री की सगाई: एक मैदान और तीन इंतजाम, वीवीआईपी, वीआईपी और आम मेहमानों के लिए अलग दुनिया; पांच गेट

खास से लेकर आम तक सबका रखा गया ध्यान, एक ही परिसर में दिखे आतिथ्य के तीन अलग-अलग रंग

अलीगढ़

यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह और उनके भाई सौरव सिंह की 14 नवंबर को सगाई है, सगाई समारोह को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। अलीगढ़ में सेंट फिदेलिस स्कूल के पास करीब 100 बीघा क्षेत्रफल में भव्य आयोजन स्थल तैयार किया गया है। सगाई समारोह में मेहमानों के लिए तीन तरह के निमंत्रण कार्ड, सात अलग-अलग किचन और दो बड़े पंडाल बनाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह तथा उनके भाई सौरव सिंह की 14 नवंबर को होने वाली सगाई को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। तालानगरी स्थित एक ही मैदान में मेहमानों के लिए तीन अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं।

वीवीआईपी, वीआईपी और सामान्य अतिथियों के लिए प्रवेश से लेकर



पार्किंग, बैठने और भोजन तक की व्यवस्थाएं अलग रखी गई हैं। समारोह स्थल पर 657 कारों की पार्किंग प्रस्तावित है। इसके लिए मैदान के आधे से अधिक हिस्से में लंबी-लंबी कतारें बनाई गई हैं।

गाड़ियों की आवाजाही के लिए भी अलग रास्ते निर्धारित किए गए हैं। मैदान के बड़े हिस्से में कारों की पार्किंग होगी। इसके पास ही सर्विस एरिया निर्धारित किया गया है। यहां 57 गुणा 60 फीट का फ्लावर टेंट बनाया गया है।

कर्मचारियों और मजदूरों के लिए करीब आठ छोटे टेंट रखे गए हैं। इसके अलावा 100 गुणा 80 फीट का बड़ा डिनर टेंट प्रस्तावित है। इसके बगल में स्टोर और किचन के लिए अलग ब्लॉक बनाया गया है। आसपास शौचालयों की व्यवस्था भी रखी गई है।

तीन तरह के निमंत्रण कार्ड

सगाई समारोह में मेहमानों के लिए तीन तरह के निमंत्रण कार्ड, सात अलग-अलग किचन और दो बड़े पंडाल बनाए गए हैं। समारोह में दो लाख से अधिक मेहमानों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को अलग अलग हिस्सों में बांटा गया है।

मेहमानों के स्वागत से लेकर भोजन, पार्किंग और सुरक्षा तक के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूरे आयोजन स्थल को मुख्य रूप से दो बड़े हिस्सों में विभाजित किया गया है। इनमें एक पंडाल सामान्य मेहमानों के लिए बनाया गया है, जबकि दूसरा वीवीआईपी अतिथियों के लिए निर्धारित किया गया है।

मेहमानों को उनकी श्रेणी के अनुसार तीन प्रकार के निमंत्रण कार्ड दिए गए हैं। कार्ड के आधार पर ही आयोजन स्थल में प्रवेश और बैठने की व्यवस्था रहेगी।

बड़ी संख्या में मेहमानों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रवेश और निकास के रास्तों को भी अलग-अलग तरीके से व्यवस्थित किया गया है।

वीवीआईपी के लिए अलग पंडाल, पार्किंग और किचन

दो लाख से अधिक मेहमानों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए भोजन की व्यवस्था भी बड़े स्तर पर की गई है।

इसके लिए आयोजन स्थल पर सात अलग-अलग किचन बनाई गई हैं। वीवीआईपी और वीआईपी मेहमानों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिव्य संस्कृति भवन का किया लोकार्पण, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी रहे मौजूद

लखनऊ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ के गुलजार उपवन पहुंचे। नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। ब्रह्माकुमारीज की ओर से लोगों को निशुल्क राजयोग ध्यान का प्रशिक्षण दिया जाएगा।



लखनऊ में शुक्रवार को रक्षामंत्री और सांसद राजनाथ सिंह सुल्तानपुर रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के राजयोग प्रशिक्षण केंद्र गुलजार उपवन पहुंचे। यहां उन्होंने नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह के लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। ब्रह्माकुमारीज की लखनऊ सब-जोन इंचार्ज बीके राधा दीदी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान राजनाथ सिंह के सम्मान में विशेष गीत प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने सांस्कृतिक नृत्य के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया।

ब्रह्माकुमारीज के जनरल सेक्रेटरी धर्म योगी जी ने अपने संबोधन में राजनाथ सिंह को मुख्य अतिथि के बजाय कार्यक्रम का मुख्य होस्ट बताया। उन्होंने उन्हें अपना बड़ा भाई बताते हुए कहा कि सभी बाबा के बच्चे हैं। उन्होंने राजनाथ सिंह के भाजपा अध्यक्ष रहते हुए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा का भी उल्लेख किया। साथ ही देश की सुरक्षा और किसानों के हित में उनके योगदान की सराहना की।

बीके राधा दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज की स्थापना के 90 साल और लखनऊ में आध्यात्मिक सेवाओं के 72 साल पूरे होने पर नवदशकोत्सव मनाया जा रहा है। नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन में लोगों को निशुल्क राजयोग ध्यान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यहां विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। भविष्य में दो हजार लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम बनाने की भी योजना है।

नहाय-खाय के साथ सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुरू, आस्था में डूबा सोनांचल

सोनभद्र।

डाला छठ महापर्व का चार दिवसीय पूजा नहाय खाय के साथ शुक्रवार से शुरू हो गया। महिलाएं शाम को नहाकर लौकी चावल व चना खाकर महिलाएं व्रत शुरू कीं। छठ करने वालों के घरों में छठ के पारंपरिक गीत बजने शुरू हो गए हैं। छठ महापर्व पर वेदी का निर्माण तेजी हो रहा है।

स्वजन घाट पर घेर कर वेदी का रंगरोगन कर रहे हैं। महिलाएं शाम को नहाकर लौकी बिना तेल की बनाएंगी। उसके चावल व चने के साथ खाकर व्रत का शुरूआत करेंगी। उसके अगले दिन रविवार को खरना व्रत रहेंगी और घाट पर दीप जलाकर घर नए चावल और



गुड़ का प्रसाद बनाकर ग्रहण करेंगी। इसके अगले दिन रविवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर सोमवार को सुबह उगते सूर्य अर्घ्य देकर व्रत का पारण करेंगी।

छठ के लिए सजीं दुकानें, खरीदारों की भीड़

छठ पूजा शुक्रवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया। छठ पूजा के लिए बाजार में खरीदारी शुरू हो गई। शीतला माता मंदिर, धर्मशाला चौक, पन्नूगंज रोड समेत मुख्य बाजारों में भीड़ बढ़ गई। मुख्य बाजार में सूप, दउरा, पूजा साम्रगी, फल की दुकानें सजी हैं।

लोग सामानों की सूची बनाकर सबसे पहले साड़ी, गमछा, एकरंगा समेत अन्य सामानों की खरीदारी कर रहे हैं। इसके बाद पूजा पर चढ़ाने वाला कसोरा, दीया, लालता, पंचमेवा, आटा, चीनी, नारियल, रंग समेत अन्य सामग्री खरीद कर रख लेने की जल्दी में हैं। इसके बाद फल और फूल, मिठाई की खरीदारी अधिकतर लोग एक दिन पहले अथवा मुख्य अर्घ्य के दिन ही करते हैं। जगह-जगह गन्ने का बोझ बाजार में आ गया है।

बीएचयू में अष्टादश पुराणों के प्रमुख प्रतिपाद्यों पर अल्पावधि पाठ्यक्रम, 20 से होगी पढ़ाई

वाराणसी।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय का भारत अध्ययन केंद्र 20 नवंबर से आठ दिसंबर तक 'अष्टादशपुराणों के प्रमुख प्रतिपाद्य' विषय पर अल्पावधि पाठ्यक्रम आयोजित करेगा। इसमें 18 पुराणों के प्रमुख विषयों, उनके दार्शनिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के अध्ययन पर केंद्रित शैक्षणिक गतिविधियां होंगी। भारत अध्ययन केंद्र की ओर से इसके लिए इच्छुक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य



प्रतिभागियों से सहभागिता का आह्वान किया गया है।

बीएचयू के प्रो. राजेश कुमार मल्ल त्वास के फेलो निर्वाचित

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान के महामना सेंटर आफ एक्सीलेंस इन क्लाइमेट चेंज रिसर्च के समन्वयक प्रो. राजेश कुमार मल्ल प्रतिष्ठित द वर्ल्ड एकेडमी आफ साइंसेज (त्वास) के फेलो निर्वाचित हुए हैं।

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अकादमिक क्षेत्र में प्रो. मल्ल के उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें इस ख्यातिलब्ध सम्मान के लिए चुना गया है।

त्वास के फेलो के रूप में वह 112 देशों के विज्ञानियों के उस अंतरराष्ट्रीय समूह में शामिल होंगे, जो विकासशील देशों में विज्ञान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए कार्यरत है।

बागपत : दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे, 17 गिरफ्तार

बागपत।

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के थाना दोघट पुलिस ने कस्बा दोघट में दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एक बाल अपचारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से घटना में प्रयुक्त चार ईंट के टुकड़े और अभियुक्तों की निशानदेही पर चार लाठी-डंडे बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार 11 नवंबर को थाना दोघट को सूचना मिली कि पट्टी तिरोसिया में दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों और पत्थरों से जमकर मारपीट हो रही है। प्रथम पक्ष से अनुज, राजीव, विनोद, शिवकुमार, सुरेन्द्र, पप्पू, हरेन्द्र, अनिल, मांगेराम, शोकेन्द्र, एक बाल अपचारी, छह महिलाएं और 4-5 अज्ञात लोग शामिल थे। वहीं द्वितीय पक्ष से ओमवीर, दीपक, किशनपाल, सावन, नन्दी, शिवम, विक्की, अक्षय, मोनू, सोनू, सचिन, पवन, मोहित, अजय, मुकेश, एक महिला और 8-10 अज्ञात लोग थे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जान से मारने की नीयत से हमला किया और जान से मारने की धमकी दी। इससे मोहल्ले में भय और भगदड़ का माहौल बन गया। रोकने के काफी प्रयास के बाद भी दोनों पक्ष देर तक हमला करते रहे।

सूचना पर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। इस संबंध में थाना दोघट पर मु0अ0सं0 350/2026 धारा 191(2)/191(3)/190/109(1)/351(3)/125 बीएनएस एवं धारा 7 सीएल एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक पूर्णेन्दु सिंह के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत थाना दोघट पुलिस ने इस मामले में 18 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला अधिवक्ता ने मारपीट और धमकी देने के मामले में 16 के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

11 नामजद और 05 अज्ञात के खिलाफ हुआ मुकदमा

मुरादाबाद।

अमरोहा निवासी महिला अधिवक्ता ने मुरादाबाद महानगर के थाना सिविल लाइन में मारपीट और धमकी देने के मामले में 11 नामजद और 05 अज्ञात के खिलाफ गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अमरोहा के डिडौली थानाक्षेत्र के जोया निवासी अधिवक्ता अंजुम निशा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि दो साल पहले सिविल लाइंस थानाक्षेत्र के हरथला निवासी आकिल के साथ विवाह हुआ था। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। 19 सितंबर को दहेज का सामान लेने के लिए हरथला गई थी, वहां उसके साथ मारपीट की गई।

सिविल लाइंस सर्किल के क्षेत्राधिकारी भास्कर कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर आज मो. आकिल, कामिल, अफसर अली, शाहजहां, नईम, नदीम, वसीम, अशरफ अली, नईम की पत्नी, नदीम की पत्नी, मुन्ने खां और पांच अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सुलभ शौचालय के पास मिला युवक का शव

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के बर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाईपास के पास गुरुवार सुबह सुलभ शौचालय के नजदीक एक युवक का शव इलाके में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी पहचान कराकर परिजनों को जानकारी दी। मृतक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की पड़ताल में जुट गई है।

कर्रही की नई बस्ती निवासी विजय कुमार का बेटा तिलक राज (32) मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी पूनम, दो बेटियां कृति और सृष्टि तथा एक बेटा शिवांश है। पत्नी पूनम के मुताबिक, करीब सात महीने पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद तिलक राज अपनी बहन सविता के साथ रहने लगा था। तभी से पति-पत्नी अलग रह रहे थे।

पुलिस ने परिवार को बर्रा बाईपास स्थित सुलभ शौचालय के पास युवक का शव मिलने की सूचना दी।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 11 साल का कारावास

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित सराय इनायत थाने की पुलिस टीम द्वारा की गई प्रभावी पैरवी के चलते विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की अदालत ने गुरुवार को दुष्कर्म मामले के दोषी को 11 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

वहीं, अपहरण के मामले में पांच वर्ष का कठोर कारावास और तीन हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

ब्रावुरा रिजॉर्ट से लापता युवती नेपाली प्रेमी संग केरल से बरामद; होटल मैनेजमेंट की ले रही थी ट्रेनिंग

मेरठ

गौतमबुद्धनगर निवासी 20 साल की युवती होटल प्रबंधन का कोर्स करने के बाद मेरठ के ब्रावुरा होटल व रिजॉर्ट में प्रशिक्षण ले रही थी। यहीं से वह लापता हो गई थी। जांच में पता चला कि उसका प्रेम प्रसंग यहां नेपाल के युवक से हो गया, जिसके बाद दोनों यहां से चले गए थे।

परतापुर बाईपास स्थित ब्रावुरा रिजॉर्ट से लापता हुई 20 वर्षीय युवती को पुलिस ने केरल के कन्नूर जिले से बरामद कर लिया है। पुलिस ने उसके साथ मौजूद नेपाली युवक जयनारायण को भी पकड़ लिया है। दोनों पैन्नूर रेलवे



स्टेशन से करीब तीन किलोमीटर दूर रह रहे थे। सर्विलांस की मदद से मिली इस सफलता के बाद परतापुर पुलिस और स्वॉट टीम दोनों को लेकर मेरठ के लिए रवाना हो गई है।

गौतमबुद्धनगर के एक गांव निवासी यह युवती होटल प्रबंधन का कोर्स पूरा करने के बाद ब्रावुरा होटल व रिजॉर्ट में रहकर प्रशिक्षण ले रही थी। गत 31 अक्तूबर को वह अचानक लापता हो गई थी। संपर्क न होने पर युवती के पिता ने अनहोनी की आशंका जताते हुए परतापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

जांच के दौरान पुलिस को युवती की सोनू नामक युवक से दोस्ती की जानकारी मिली, जिसके बाद दोनों के मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले गए।

इस बीच युवती ने होटल मैनेजर को एक वॉयस मैसेज भेजकर अपनी लोकेशन हैदराबाद में बताई थी और फिर अपना मोबाइल बंद कर लिया था।

सर्विलांस से मिला केरल का सुराग

चार दिन पहले युवती का मोबाइल दोबारा ऑन हुआ, तो उसकी लोकेशन केरल में मिली। पुलिस ने संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन फिर बंद हो गया। लगातार सर्विलांस पर नजर रखते हुए पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार को कन्नूर से युवती को सकुशल बरामद कर लिया। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि युवती की बरामदगी की सूचना उसके परिजनों को दे दी गई है। टीम उसे लेकर मेरठ आ रही है और युवती के बयानों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यकर्ताओं के त्याग, परिश्रम से भाजपा को मिलेगी 2027 में ऐतिहासिक जीत : अशोक चौरसिया

यमुनापार की चारों विधानसभा सीटों पर कमल खिलाने का लक्ष्य, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान

प्रयागराज।

कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या, परिश्रम और संगठनात्मक एकजुटता के बल पर ही भाजपा ने विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने का गौरव हासिल किया है। बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं की सामूहिक शक्ति ने वर्ष 2014 और 2017 में ऐतिहासिक जीत का मार्ग प्रशस्त किया था। अब इसी समर्पण और एकजुटता के साथ वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भी



ऐतिहासिक विजय हासिल करनी है।

यह बातें गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रयागराज यमुनापार की संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और मजबूत कानून व्यवस्था के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

शमशाबाद में तीसरी आंख का पहरा, 12 सीसीटीवी कैमरों से होगी चप्पे-चप्पे की निगरानी

थानाध्यक्ष सचिन चौधरी की पहल पर तीन प्रमुख चौराहों पर हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था, संदिग्धों और वाहनों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

फरुर्खाबाद।

उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में नगर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए शमशाबाद पुलिस ने अहम पहल की है। थानाध्यक्ष सचिन चौधरी के नेतृत्व में नगर के तीन प्रमुख स्थानों पर 12 सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। इससे अब प्रमुख चौराहे तीसरी आंख की निगरानी में रहेंगे।

पुलिस ने थाना चौराहा, ढाईघाट पुल और मंडी चौराहा पर चार-चार सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए हैं।

इन स्थानों पर दिनभर वाहनों और लोगों की आवाजाही बनी रहती है। कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी।

हाथ को जकड़ता रहा विशालकाय अजगर, फिर भी नहीं हारी हिम्मत

मुरादाबाद।

हाथ में अजगर की मजबूत पकड़ और सामने फन की जगह कुंडली मारता उसका शरीर... आम आदमी होता तो शायद घबरा जाता, लेकिन वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन ने हिम्मत नहीं हारी।

अजगर उनके हाथ को कसकर जकड़ता रहा और शाजिया उसे सुरक्षित पकड़ने में जुटी रहीं। करीब एक महीने पहले हुए इस रेस्क्यू का वीडियो बुधवार से इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो देखकर लोग शाजिया के साहस की सराहना



कर रहे हैं।

यह मामला कृषि उत्पादन मंडी समिति मझोला से लाकड़ी फाजलपुर बाइपास की तरफ जाने वाले मार्ग पर पेपटपुरा का है। यहां खाली प्लाटों में झाड़ियों के बीच अजगर दिखाई देने पर रेस्क्यू के लिए सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन मौके पर पहुंचीं।

अजगर द्वारा जकड़ने पर भी शाजिया ने धैर्य बनाए रखा

उन्होंने अजगर को पकड़ने का प्रयास शुरू किया तो उसने उनके हाथ को कसकर जकड़ लिया। इसके बावजूद शाजिया ने धैर्य बनाए रखा और सावधानी से अजगर को काबू कर लिया।

रेस्क्यू के बाद अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया गया। खास बात यह है कि अजगर किसी घनी आबादी में नहीं मिला था, बल्कि पेपटपुरा के खाली प्लाटों की झाड़ियों में देखा गया था। करीब एक महीने पुरानी इस घटना का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने से चर्चा में है।

वीडियो में अजगर की पकड़ के बीच शाजिया का उसे सुरक्षित रेस्क्यू करने का हौसला साफ नजर आ रहा है। शाजिया के पिता अनीस अहमद ने बताया कि एक महीने पहले अजगर की सूचना मिलने पर वह बेटी को रेस्क्यू के लिए ले गए थे। उधर, वन क्षेत्राधिकारी राजेश शर्मा का कहना है कि मामला एक महीने पुराना है। अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया है।



खुद को खुशकिस्मत मानते हैं ताहिर राज भसीन

छोटी भूमिकाओं से शुरुआत करने वाले ताहिर राज भसीन ने 'मर्दानी' में मेन विलन बनकर अपनी पहचान बनाई। 'ये काली काली आंखें', 'स्पेशल ऑप्स' और 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' के बाद वे इन दिनों 'शक : ट्रस्ट नो वन' को लेकर चर्चा में हैं। ताहिर खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि कम समय में उन्हें नामचीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। कभी सिंगल स्क्रीन थिएटर में दस रुपये का टिकट लेकर सिनेमा देखने वाले ताहिर से एक खास बातचीत।

मेरा सफर खास रहा है

'किस्मत लव पैसा दिल्ली', 'काई पो छे' और 'वन बाय टू' जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाने वाले ताहिर राज भसीन को बड़ा ब्रेक 'मर्दानी' से मिला। अपने सफर को खास बताते हुए वह कहते हैं, 'बहुत कम लोगों को इतने कम समय में इतने मशहूर निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिलता है। प्रदीप सरकार के साथ मेरी जर्नी शुरू हुई। उसके बाद नंदिता दास, नितेश तिवारी, कबीर खान, मिलन लुथरिया और नीरज पांडे जैसे निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। मैं जो भी किरदार निभाता हूं, वह दर्शकों के साथ रह जाता है और उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ता है। वेब सीरीज 'शक' में आलोक के किरदार को लेकर भी ऐसा ही फीडबैक मिल रहा है। कुछ दर्शक उससे सहानुभूति रखते हैं, कुछ उससे जुड़ाव महसूस करते हैं, तो कुछ उस पर गुस्सा होते हैं। मेरे लिए एक अभिनेता के तौर पर यही सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उसका किरदार दर्शकों पर असर छोड़े और लंबे समय तक याद रहे।'

चर्चित नहीं यादगार होना जरूरी है

इंडस्ट्री में अच्छा-खासा काम करने के बावजूद ताहिर हमेशा लो-प्रोफाइल रहे हैं। इसकी वजह बताते हुए वह कहते हैं, 'मैं हमेशा लंबी रेस का घोड़ा बनना चाहता था। खुद और अपनी कला पर काम करने के लिए अकेले वक्त बिताना, ट्रैवल करना और परिवार के साथ समय गुजारना भी उतना ही जरूरी है, जितना मीडिया और दर्शकों से जुड़ना। हर वक्त पब्लिक प्रोफाइल बनाए रखना मेरी कोशिश नहीं रही। मैंने सीखा है कि चर्चित होने और यादगार होने में आसमान-जमीन का फर्क है। मेरी कोशिश हमेशा यादगार काम करने की रहती है, चर्चित होना तो उसके बाद अपने आप हो जाएगा।'

लाइफ की हर डीटेल सोशल मीडिया पर डालना जरूरी नहीं

सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज ताहिर के लिए कितने मायने रखते हैं? वह कहते हैं, 'मेरे लिए सोशल मीडिया अहम है, लेकिन एक सीमा तक। फिल्म या ट्रेलर रिलीज होने पर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानना अच्छा लगता है। इससे प्रशंसकों से जुड़ने और अपने काम को उन तक पहुंचाने का मौका मिलता है। लेकिन जिंदगी का हर पल सोशल मीडिया पर साझा करना जरूरी नहीं। मैं क्या खा रहा हूं या कहां जा रहा हूं, यह बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरे लिए काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन जरूरी है। लाइक्स और व्यूज से ज्यादा अहम है कि आपका काम लोगों के दिलों में कितनी जगह बनाता है।'

महिलाओं के गुस्से और दर्द को समझता हूं

हाल ही में राजस्थान में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और नवजात की मौत के भयावह मामले ने देश को झकझोर दिया। महिलाओं की सुरक्षा और पुरुषों के रक्षक से भक्षक बनने के मुद्दे पर ताहिर कहते हैं, 'यह पूरे देश की समस्या है। ऐसी घटनाओं पर अफसोस जताने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। साथ ही, समाज में शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। जब तक लोगों का नजरिया नहीं बदलेगा, व्यवहार में बदलाव नहीं आएगा।' सोशल मीडिया पर चल रहे एंटी-मैन नारों पर वह कहते हैं, 'मैं महिलाओं के गुस्से और दर्द को सौ फीसदी समझ सकता हूं, लेकिन कुछ लोगों की गलती के लिए पूरे पुरुष समाज को दोषी ठहराना सही नहीं है। इसी समाज में डॉक्टर, वकील, पुलिसकर्मी और परिवार के ऐसे लोग भी हैं, जो महिलाओं का साथ देते हैं। हमें नकारात्मकता बढ़ाने के बजाय एकता और आपसी समझ पर जोर देना चाहिए।'



हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर आगामी हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी। यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म 'जानी दुश्मन' एक सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर होने वाली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'दर्द तो बहुत देखा होगा, लेकिन अब खौफ महसूस करने के लिए तैयार हो जाएं। आपके लिए पेश है, फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत'।' फिल्म का निर्देशन अरशद सैयद कर रहे हैं, जबकि इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर रॉबी ग्रेवाल हैं। इसका निर्माण भूषण कुमार (टी-सीरीज) और प्रभलीन संधू की अलमाइटी मोशन पिक्चर मिलकर कर रहे हैं।

इस फ्रेंचाइजी और सहयोग के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने कहा, 'अलमाइटी मोशन पिक्चर एक भरोसेमंद क्रिएटिव पार्टनर रहा है और उनकी टीम के साथ काम करना हमेशा अच्छा लगता है। सीरीज 'मेड इन इंडिया - अ टाइटन स्टोरी' के बाद, हम जानी दुश्मन के लिए उनके साथ फिर से काम करके खुश हैं।' अलमाइटी मोशन पिक्चर की फाउंडर प्रभलीन संधू ने कहा, 'भूषण जी और टी-सीरीज के साथ काम करना हमेशा सुखद रहा है। हमारा जुड़ाव हमेशा खास रहा है और हम एक बिल्कुल अलग सिनेमाई अनुभव के लिए एक बार फिर साथ आने को लेकर उत्साहित हैं। जानी दुश्मन खास तौर पर स्पेशल है क्योंकि यह मुझे रॉबी ग्रेवाल और अरशद सैयद से फिर मिलाती है, जिनके साथ हमने भारत की सबसे पसंदीदा पैरानॉर्मल थ्रिलर सीरीज में से एक बनाई थी।

फिल्म में हाई-ऑक्टेन और रोमांचक एक्शन सीक्वेंस सुनिश्चित करने के लिए हॉलीवुड के मशहूर स्टंट डायरेक्टर पीटर पेड्रेरो भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं, जिन्होंने हैरी पॉटर, फास्ट एंड फ्यूरियस, द एक्सपेंडेबल्स, गेम ऑफ थ्रोन्स और द कॉन्ज्यूरिंग जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म की कहानी पूरी तरह से यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। यह एक मां-बेटी की कहानी है, जो पारिवारिक रहस्यों और अलौकिक शक्तियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इस फिल्म को क्रिएटिव तौर पर रॉबी ग्रेवाल ने प्रोड्यूस किया है। इसके को-प्रोड्यूसर शिव चनाना और सुनीता विनोद व्यास हैं। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रजनीकांत की फिल्म धर्मन में हुई श्रीलीला की एंट्री



एक्ट्रेस श्रीलीला के हाथ एक और बड़ी तमिल फिल्म लगी है। वह जल्द ही रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मरिमुथु कर रहे हैं, जो 'ओह माय कडवुले' और 'ड्रैगन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने श्रीलीला के फिल्म से जुड़ने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह पहली बार रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

प्रोडक्शन हाउस ने एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए एक वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'उनमें चमक है, उनमें पटाखा वाली बात है। 'धर्मन' में खूबसूरत श्रीलीला का स्वागत है।' बता दें कि फिल्म में रजनीकांत और श्रीलीला के अलावा सिमरन, नयनतारा, योगी बाबू और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धर्मन' पहली फिल्म है, जिसमें अश्वथ मरिमुथु रजनीकांत को डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म में डॉक्टर के किरदार में दिखेंगे रजनीकांत

फिल्म के पहले पोस्टर के मुताबिक, रजनीकांत इसमें एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने उनके किरदार को 'केट्टू पायन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम उनकी 1978 में आई फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' के मशहूर किरदार की याद दिलाता है। अब तक सामने आए कुछ पोस्टर्स में रजनीकांत के हाथों पर खून नजर आ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स वाला हो सकता है। फिल्म की शूटिंग का तीसरा शेड्यूल सितंबर में पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि अब फिल्म की मुख्य शूटिंग अपने आखिरी चरण में पहुंच रही है। श्रीलीला और नयनतारा फिल्म की कास्ट में हाल ही में शामिल हुई हैं।



तमिल सिनेमा में लगातार बढ़ रहा है श्रीलीला का काम

श्रीलीला ने इसी साल फिल्म 'पराशक्ति' से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह शिवकार्तिकेयन, रवि मोहन और अथर्वा के साथ नजर आई थीं। इसके बाद से उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' भी शामिल है। इस फिल्म में वह रोजा का किरदार निभा रही हैं, जो धनुष की पत्नी है। इसके अलावा वह अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' में भी नजर आएंगी। अब 'धर्मन' के जरिए श्रीलीला को तमिल सिनेमा के एक और बड़े सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने का मौका मिला है। इस फिल्म का निर्माण रजनीकांत और कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ आर महेंद्रन की टर्मरिक मीडिया मिलकर कर रहे हैं।



भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है 'रामायण'

नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर देशभर में उत्साह चरम पर है। ऐसे में सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी भी इस फिल्म के समर्थन में आगे आए हैं। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म के भव्य पैमाने, शानदार स्टारकास्ट और अद्भुत विजुअल्स के अलावा, जो बात इस प्रोजेक्ट को सबसे खास बनाती है, वह है इससे जुड़ी भावनाएं और इसकी आत्मा। शुरुआत से ही फिल्म की टीम ने इस महागाथा को महज एक फिल्म के तौर पर नहीं, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी के रूप में देखा है। ऐसे दौर में, जब फिल्मी प्रचार अक्सर मार्केटिंग रणनीतियों और तय शेड्यूल तक सीमित रहता है, वहीं 'रामायण' ने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक महत्व से जुड़ा रास्ता चुना है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां भी इस भव्य प्रोजेक्ट के समर्थन में आगे आ रही हैं। रिलीज से ठीक पहले इस उत्साह को और बढ़ाते हुए सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने x स्टोरी पर एक खास संदेश साझा करते हुए लिखा: 'हमारी कालजयी कहानियों और संस्कृति को इतने भव्य स्तर पर जीवंत होते देखना वाकई बेहद खास है। यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है!



...अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं कीर्ति शेट्टी

कीर्ति शेट्टी अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। खबर है कि वह जल्द ही एक प्रेम कहानी के जरिए बॉलीवुड में कदम रखेंगी। इस फिल्म का निर्देशन विधि घोड़गांवकर करेंगी, जो करीब 17 साल से फिल्मकार रोहित शेट्टी के साथ जुड़ी रही हैं। फिल्म का निर्माण अभिषेक एस. व्यास अपनी निर्माण कंपनी एवीएस स्टूडियोज के तहत करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग साल 2026 के आखिर तक शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म का नाम, कहानी और दूसरे कलाकारों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म का नाम भी अभी तय तौर पर सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसके अलावा कीर्ति के साथ मुख्य भूमिका में कौन सा अभिनेता नजर आएगा, यह भी स्पष्ट नहीं है। कीर्ति को फिल्म 'उप्पेना' से खास पहचान मिली थी। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया और वह साउथ सिनेमा की चर्चित युवा अभिनेत्रियों में शामिल हो गई।

फिलहाल राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है

तमिलनाडु की राजनीति में जब भी किसी फिल्मी सितारे के कदम रखने की चर्चा होती है, तो सबसे पहले साउथ के बड़े सितारों का नाम सामने आता है। खासकर अभिनेता विजय के राजनीति में आने के बाद से यह सवाल और भी चर्चा में है कि क्या आने वाले समय में कोई दूसरा बड़ा स्टार भी सियासी मैदान में उतर सकता है। इसी बीच अभिनेता सूर्या के राजनीति में आने को लेकर भी लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, अब खुद सूर्या ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है।

दरअसल, सूर्या 8 नवंबर को चेन्नई में दिवाली वाले दिन अपनी फिल्म 'सीन' से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उनसे राजनीति में आने की संभावनाओं को लेकर सवाल किया गया। इस पर अभिनेता ने कहा, 'मैं राजनीति में नहीं आने वाला हूं। इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे राजनीति से नफरत है। मैं चुपचाप और करीब से राजनीति को देख रहा हूं।' अभिनेता ने आगे कहा कि राजनीति में आने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना और उसकी जिम्मेदारियों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिना रास्ता जाने वह राजनीति में कदम नहीं रखेंगे।



खेत पर गई नाबालिग से तीन युवकों ने की छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

● सहेली ने घर पहुंचकर परिजनों को दी जानकारी, नामजद आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने शुरू की जांच

यूथ इंडिया, अमृतपुर



राजेपुर फर्रूखाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में सहेली के साथ खेत पर गई नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, नाबालिग अपनी सहेली के साथ खेत पर गई थी। आरोप है कि वहां पहले से बैठे तीन युवकों ने उसके साथ छेड़छाड़ की। इस दौरान उसकी सहेली किसी तरह वहां से भागकर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी वहां से जा चुके थे।मामले में जिठौली गांव निवासी सानू, मोहन और राम भोले आदि के खिलाफ राजेपुर थाने में नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस से आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

युवक के पैर में लगी गोली, पुरानी रंजिश में हमले का आरोप, लोहिया अस्पताल में भर्ती

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

कम्पिल थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते 45 वर्षीय व्यक्ति के पैर में गोली लगने का मामला सामने आया है। गोली लगने से व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद उसे उपचार के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, घायल व्यक्ति ने गांव के कुछ लोगों पर पुरानी रंजिश के चलते गोली मारने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। जमीन विवाद को लेकर मामला न्यायालय तक पहुंचा था, जिसमें घायल व्यक्ति के अनुसार उसे अदालत से बरी कर दिया गया था।

घायल ने आरोप लगाया कि इसी पुरानी रंजिश के चलते उसे निशाना बनाया गया। घटना में उसके पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों में हलचल मच गई। परिजनों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया।

लोहिया अस्पताल में उसका उपचार किया जा रहा है। वहीं, घटना को लेकर पुलिस जांच की स्थिति और आरोपियों के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि गोली चलाने की घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें कौन-कौन शामिल था। फिलहाल घायल के आरोपों के आधार पर मामले के सभी पहलुओं की जांच महत्वपूर्ण है।

आबकारी विभाग का छापेमारी अभियान, शराब दुकानों का किया औचक निरीक्षण

फर्रुखाबाद। जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश तथा जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी जीपी गुप्ता के पर्यवेक्षण में गुरुवार को विभिन्न शराब दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। 12 नवंबर 2026 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 सुधांशु चौधरी ने आबकारी विभाग की टीम के साथ देशी शराब की दुकानों राजेंद्र नगर, पुनपालपुर, मेरापुर एवं पिलखना तथा राजेंद्र नगर, मेरापुर और पिलखना स्थित कंपोजिट दुकानों की जांच की। निरीक्षण के दौरान दुकानों के स्टॉक रजिस्टर, ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था, पीओएस मशीन से होने वाली बिक्री और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की बारीकी से जांच की गई। इसके साथ ही देशी शराब की दुकानों पर संचालित कैंटीनों का भी सघन निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने दुकानों में उपलब्ध मदिरा का मिलान अभिलेखों में दर्ज स्टॉक से किया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला कसने से मौत की पुष्टि, सिर के पीछे भी मिला घाव, युवती के पिता गिरफ्तार

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जहानगंज थाना क्षेत्र में नगला चाहर निवासी दीपक राजपूत की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए युवती के पिता को गिरफ्तार किया है। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, दीपक की मौत गला कसने से हुई थी। इसके अलावा उनके सिर के पिछले हिस्से में भी चोट का निशान पाया गया है।

इस घटना के सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला कसने से मौत की पुष्टि होने के बाद जांच को महत्वपूर्ण आधार मिला है। वहीं, सिर के पीछे घाव मिलने से घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने मामले में युवती के पिता को गिरफ्तार किया है। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटा रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दीपक की हत्या किन परिस्थितियों में हुई और घटना में अन्य किसी व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्यों और अन्य जानकारियों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना के सभी पहलुओं की जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जमीन विवाद की पुरानी रंजिश में युवक को मारी गोली

● पैर में लगी, गांव के लोगों पर लगाया आरोप

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



कम्पिल थाना क्षेत्र के धीमर नगला गांव में जमीन के पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति को गोली मारकर घायल करने का मामला सामने आया है। घटना में गांव निवासी 45 वर्षीय मलिखान के पैर में गोली लगी है। घायल को उपचार के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में चर्चाओं का माहौल है। घायल ने गांव के ही कुछ लोगों पर पुरानी रंजिश के चलते जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है।

मलिखान के मुताबिक, वह बाजार से अपना काम निपटाकर वापस गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह अपनी झोपड़ी के पास पहुंचे, तभी गांव के कुछ लोगों ने उन्हें निशाना बनाकर गोली चला दी। गोली सीधे उनके पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गए। गोली लगने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई।

घायल को परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया। अस्पताल में उनका उपचार जारी है।

घायल मलिखान ने बताया कि आरोपियों के साथ उनका काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इस मामले में दोनों पक्षों के बीच मुकदमेबाजी भी हुई थी। उनका कहना है कि अदालत से वह संबंधित मामले में बरी हो चुके हैं, इसके बावजूद विवादित जमीन पर दूसरा पक्ष खेती कर रहा है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है।

मलिखान ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में उन्हें एक अन्य मामले में फंसाने की कोशिश की गई थी, लेकिन न्यायालय से उन्हें उस मामले में भी राहत मिल गई थी। घायल का आरोप है कि इसी पुरानी खुन्नस के चलते उन पर हमला किया गया। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह और आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

कम्पिल थानाध्यक्ष ने बताया कि व्यक्ति को गोली लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी और जांच-पड़ताल की गई। वहीं, गांव के कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने गोली चलने की कोई आवाज नहीं सुनी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना में लगाए गए आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है।

रुपये के लेनदेन को लेकर चित्रकूट गांव में खूनी संघर्ष, दोनों पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर; आठ लोग घायल

● मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में छिड़ी मारपीट, 75 और 65 वर्षीय बुजुर्ग भी हुए चोटिल; घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, दोनों पक्षों ने थाने में दी तहरीर

यूथ इंडिया, अमृतपुर



थाना राजेपुर क्षेत्र के चित्रकूट गांव में रुपये के लेनदेन को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते बड़े संघर्ष में तब्दील हो गया। पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और गाली-गलौज हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ के लोग आमने-सामने आ गए।

इसके बाद गांव में जमकर लाठी-डंडे चले और एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर भी फेंके गए। अचानक हुए इस संघर्ष से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मारपीट में दोनों पक्षों के कुल आठ लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक, चित्रकूट गांव में रुपये के लेनदेन को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चलने की बात सामने आई है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में पहले बातचीत के दौरान कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद ने तूल पकड़ लिया और गाली-गलौज के बाद दोनों तरफ से मारपीट शुरू हो गई।

लाठी-डंडों के साथ ईंट-पत्थर चलने से स्थिति और बिगड़ गई। दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर हमलावर हो गए। गांव में हुई इस घटना के बाद आसपास के लोगों में भी हलचल मच गई। इस मारपीट में एक पक्ष से जीतू पुत्र संतराम, रजनी पत्नी सुनील, सुनील पुत्र संतराम और संतराम पुत्र हेतराम (75 वर्ष) घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष से फूलमती पत्नी सुरेश चंद्र (60 वर्ष), राहुल पुत्र सुरेश चंद्र (19 वर्ष), संदीप पुत्र सुरेश (25 वर्ष) और सुरेश चंद्र पुत्र मोहनलाल (65 वर्ष) चोटिल हुए हैं।

इस प्रकार दोनों पक्षों से चार-चार लोग घायल हुए हैं। घायलों में बुजुर्गों के साथ युवा भी शामिल हैं।घटना के बाद दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। दोनों पक्ष थाने पहुंचे और एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस ने सभी आठ घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजेपुर भेजा, जहां उनका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गांव में हुए इस संघर्ष की चर्चा तेज हो गई है।

थानाध्यक्ष अजब सिंह ने बताया कि रुपये के लेनदेन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ है। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर प्राप्त हुई हैं। घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आगरा विश्वविद्यालय की बीएड डिग्री पर जांच तेज

● फर्रुखाबाद के 51 शिक्षक कार्रवाई के दायरे में

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के बीएड सत्र 2004-05 की कथित फर्जी और टेम्पर्ड डिग्रियों का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जिले में इन प्रमाणपत्रों के आधार पर उपाधि प्राप्त करने के आरोपों से जुड़े 51 शिक्षक जांच के दायरे में हैं। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद ने इन शिक्षकों के मामलों में अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा तलब किया है। इससे संबंधित विभागीय प्रक्रिया एक बार फिर तेज हो गई है।

बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने 10 नवंबर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर निर्धारित प्रारूप में जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। पत्र में इससे पहले 23 जुलाई और 10 सितंबर को जारी किए गए निर्देशों का भी हवाला दिया गया है। परिषद ने शिक्षकों के विरुद्ध अब तक हुई कार्रवाई, जांच की स्थिति और संबंधित प्रकरणों का विवरण गूगल शीट पर तत्काल अपडेट करने को कहा था।

इस मामले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि परिषद की ओर से मांगी गई सूचना निर्धारित प्रारूप में भेज दी गई है। उन्होंने बताया कि यह पूरी कार्रवाई उच्चतम न्यायालय में राजेश कुमार चतुर्वेदी व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य मामले में 13 मई 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में की जा रही है।

परिषद ने जिला स्तर से हस्ताक्षरित सूचना 12 नवंबर तक ईमेल के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बाद बीएसए कार्यालय की ओर से संबंधित विवरण परिषद को उपलब्ध करा दिया गया है। अब परिषद स्तर पर भेजी गई जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

गौरतलब है कि आगरा विश्वविद्यालय के बीएड सत्र 2004-05 के प्रमाणपत्रों को लेकर पहले भी फर्जीवाड़े और छेड़छाड़ के आरोप सामने आते रहे हैं। इसी क्रम में फर्रुखाबाद के 51 शिक्षकों के प्रकरणों पर विभागीय स्तर पर निगरानी बढ़ गई है। हालांकि, जांच के दायरे में शामिल होने मात्र से किसी शिक्षक को दोषी नहीं माना जा सकता। संबंधित शिक्षकों के मामलों में अंतिम स्थिति और कार्रवाई का निर्णय जांच तथा न्यायिक आदेशों के अनुपालन के आधार पर होगा।

भोजपुर-बागार मार्ग पर 25 से 30 मीटर सड़क कटी, ग्रामीणों की बढ़ी मुश्किलें

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



कमालगंज क्षेत्र में बरसात के पानी ने भोजपुर-बागार मार्ग की स्थिति खराब कर दी है। लगातार बारिश के कारण सड़क का करीब 25 से 30 मीटर हिस्सा कटकर क्षतिग्रस्त हो गया है। सड़क का बड़ा हिस्सा खराब होने से इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, समस्या सामने आए कई दिन बीत जाने के बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है।

भोजपुर-बागार मार्ग आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण रास्ता है। इसी मार्ग से ग्रामीण अपने जरूरी कामों के लिए बाजार और आसपास के गांवों तक पहुंचते हैं। लेकिन बरसात के पानी से सड़क का लंबा हिस्सा कट जाने के कारण लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। सड़क की खराब स्थिति को देखते हुए राहगीरों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क क्षतिग्रस्त होने के बाद से ही इसकी मरम्मत की उम्मीद की जा रही है, लेकिन कई दिन गुजरने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के दौरान सड़क की स्थिति और खराब हो सकती है।

ग्रामीण सर्वेश ने संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों से सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह रास्ता ग्रामीणों के दैनिक आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है। सड़क खराब होने के कारण लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने मांग की कि क्षतिग्रस्त हिस्से का जल्द निरीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मामले को गंभीरता से लेने की अपील की है। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क की मरम्मत में देरी होने से समस्या बढ़ सकती है। इसलिए क्षतिग्रस्त हिस्से की जांच कराकर सुरक्षित और टिकाऊ मरम्मत कराना जरूरी है। अब ग्रामीणों की नजर संबंधित विभाग और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है। लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही भोजपुर-बागार मार्ग की मरम्मत कराकर आवागमन सुचारु किया जाएगा।

खाद की खुलेआम कालाबाजारी, प्रिंट रेट से 350 रुपये तक अधिक वसूली

यूथ इंडिया, कमालगंज

कमालगंज कस्बा सहित आसपास के बाजारों में खाद की खुलेआम कालाबाजारी हो रही है। यूरिया और डीएपी बोरी पर छपे प्रिंट रेट से अधिक दाम पर बेची जा रही है। किसान जानते हुए भी अधिक दाम देने को मजबूर हैं। यह कोई छोटा मामला नहीं है, क्योंकि किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, वही अन्नदाता हैं, और आज वही बाजार में लुट रहे हैं।

आलू की बुवाई के साथ-साथ इस समय सबसे महत्वपूर्ण है गंगा पार क्षेत्र और गंगा जी के आसपास होने वाली खेती। गंगा पार क्षेत्र में और गंगा जी के आसपास के खेतों में गेहूं और आलू बोया जाता है। इन खेतों में देर तक नमी रहती है, इसलिए यह खेत देर से बोने लायक होते हैं। अब जाकर वह खेत बोने लायक हुए हैं।

इन्हीं खेतों में सबसे ज्यादा डीएपी का ही प्रयोग होता है। गेहूं और आलू की बुवाई के समय डीएपी सबसे जरूरी खाद है। इस वजह से सबसे ज्यादा परेशानी गंगा की तलहटी क्षेत्र की खेती करने वाले किसानों को हो रही है।

गंगा तलहटी के किसान महीनों से अपने खेतों के सूखने और बोने लायक होने का इंतजार कर रहे थे। अब जब खेत तैयार हुए हैं, तो खाद के लिए भटकना पड़ रहा है। समय पर डीएपी न मिली तो बुवाई और लेट हो जाएगी। बुवाई लेट हुई तो पैदावार पर सीधा असर पड़ेगा।

कमालगंज कस्बा सहित आसपास के बाजारों में खाद की ओवर रेटिंग की खुली मंडी लगी हुई है। किसानों का कहना है कि बाजार में 1350 रुपये वाली डीएपी 1600 से 1700 रुपये तक बेची जा रही है। यूरिया भी निर्धारित मूल्य पर नहीं मिल रही है। दुकानों पर मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं और किसान को बिना रसीद के, मुंह मांगे दाम पर खाद लेनी पड़ रही है।

गंगा तलहटी के किसान को एक-दो बोरी से काम नहीं चलता। उसे एक साथ कई बोरी डीएपी चाहिए। हर बोरी पर 250 से 350 रुपये अधिक देने पड़ें तो एक किसान की जेब पर हजारों रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

बाजार में न रेट लिस्ट लगी है, न पक्की रसीद दी जा रही है। जो दाम दुकानदार बोल दे, वही दाम किसान को देना पड़ रहा है। किसानों का साफ कहना है कि अधिकारी अगर चाहें तो ओवर रेटिंग को आराम से पकड़ा जा सकता है। इसके लिए बड़े काफिले और लाव-लश्कर के साथ आने की जरूरत ही नहीं है।

अधिकारी किसी भी दुकान पर सामान्य व्यक्ति के रूप में जाकर खाद खरीद लें, तो ओवर रेटिंग का सच सामने आ जाएगा। लेकिन जब अधिकारी लाव-लश्कर के साथ आते हैं, तो पहले ही दुकानदार सतर्क हो जाते हैं। रेट लिस्ट टांग दी जाती है, कागज दुरुस्त कर लिए जाते हैं और कुछ देर के लिए सब कुछ सही दिखने लगता है। अधिकारी के जाते ही फिर वही मनमानी शुरू हो जाती है।

आज डीएम के दौरे की खबर फैलते ही पूरे दिन खाद दुकानदारों और विक्रेताओं में हड़कंप रहा। किसानों और स्थानीय लोगों के अनुसार, खबर मिलते ही कई दुकानदारों ने अपने आधार और अन्य दस्तावेज ठीक किए, रजिस्टर दुरुस्त किए और दुकानों पर व्यवस्थाएं सुधारने में लग गए। दिनभर यही चर्चा रही कि आज डीएम मैडम दौरे पर आ रही हैं।

शराब के नशे में भतीजे ने चाचा पर किया लाठी-डंडों से हमला

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नौगवां में शराब के नशे में एक भतीजे ने अपने ही चाचा पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट की इस घटना में 45 वर्षीय धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में चोट लगने के बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, मोहल्ला नौगवां में किसी बात को लेकर चाचा और भतीजे के बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि भतीजा शराब के नशे में था। विवाद बढ़ने पर उसने लाठी-डंडों से अपने चाचा धर्मेंद्र पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मारपीट के दौरान धर्मेंद्र के सिर में चोट लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार किया जा रहा है।

घटना के बाद मोहल्ले में इस मामले को लेकर चर्चा बनी हुई है। शराब के नशे में हुई इस मारपीट ने एक बार फिर पारिवारिक विवाद और हिंसा की समस्या को सामने ला दिया है।

छह दिन से फुंका पड़ा ट्रांसफार्मर, बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने कायमगंज-फर्रुखाबाद मार्ग पर लगाया जाम

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



गांव नगला गुलाल, पोस्ट बरौन में पिछले छह दिनों से बिजली का ट्रांसफार्मर फुंका पड़ा होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लगातार बिजली आपूर्ति ठप रहने से ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया। बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों को कई बार सूचना देने के बावजूद जब ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो आक्रोशित ग्रामीणों ने व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव के नेतृत्व में एकत्रित होकर कायमगंज-फर्रुखाबाद मार्ग पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों के सड़क पर उतरने से मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया और दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं।

ग्रामीणों का कहना था कि पिछले छह दिनों से गांव का ट्रांसफार्मर खराब पड़ा है, जिसके चलते घरों में अंधेरा छाया हुआ है। बिजली न मिलने से जहां घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहे हैं, वहीं बच्चों की पढ़ाई, पेयजल व्यवस्था और अन्य जरूरी कार्यों में भी दिक्कतें आ रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या के संबंध में बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। विभागीय अधिकारियों की इस उदासीनता से नाराज होकर ग्रामीणों को मजबूरन सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ा।

जाम की सूचना मिलते ही थाना मऊदरवाजा के प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ दो चौकी इंचार्ज भी पुलिस फोर्स लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया और बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदलवाने की बात कही। अधिकारियों से वार्ता के बाद ट्रांसफार्मर लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू होने पर ग्रामीणों ने राहत की उम्मीद जताई।

ट्रांसफार्मर लगाने का काम शुरू होने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जल्द ही गांव की बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी और उन्हें छह दिनों से चली आ रही परेशानी से निजात मिलेगी। इस दौरान अभिषेक सिंह, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, रामू ठाकुर, राजेश सिंह, सुसपाल सिंह, श्रीनिवास, नन्ने, लल्ला, अजय प्रताप, संजीव सिंह, अनुज प्रताप सिंह, विनय प्रताप सिंह, सचिन यादव, लालू यादव, मोटी यादव, अनुराग यादव, सोमनाथ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

रास्ते से हटाया गया गूलर का पेड़, कई साल से ग्रामीणों को हो रही थी परेशानी; वन विभाग ने की कार्रवाई

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



अमृतपुर थाना क्षेत्र में अमैयापुर पश्चिमी, बड़ागांव और परतापुर जाने वाले मार्ग पर खड़े गूलर के पेड़ को वन विभाग की टीम ने हटा दिया। पेड़ के कारण पिछले कई वर्षों से ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पेड़ हटाए जाने के बाद स्थानीय लोगों को राहत मिली है।

जानकारी के अनुसार, अमैयापुर पश्चिमी से बड़ागांव और परतापुर की ओर जाने वाले रास्ते में गूलर का पेड़ खड़ा था। इसके चलते इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कत होती थी। खासकर राहगीरों और वाहन चालकों को रास्ते से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता था।

ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पेड़ को हटाने की कार्रवाई की। टीम ने रास्ते में बाधा बन रहे पेड़ को हटाकर आवागमन सुचारु कराने का प्रयास किया।

पेड़ हटाए जाने से अमैयापुर पश्चिमी, बड़ागांव और परतापुर जाने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों के लिए यह मार्ग महत्वपूर्ण है, इसलिए रास्ते में लंबे समय से बनी बाधा दूर होने से आवागमन आसान होगा।

वन विभाग की इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों को उम्मीद है कि क्षेत्र में आवागमन से जुड़ी अन्य समस्याओं पर भी संबंधित विभाग ध्यान देगा।

मारपीट और गाली-गलौज के मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। मेरापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेहटा मुरलीधर में एक ही पक्ष के पांच लोगों पर एकराय होकर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगा है। मामले में गांव निवासी जोगराज पुत्र द्वारिका ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के अनुसार, गीतम पुत्र नवाब सिंह निवासी ग्राम बेहटा मुरलीधर समेत पांच लोगों ने वादी और उसके परिजनों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।